ALIMCO

भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम

भारत सरकार, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय,
दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र का 'मिनीरत्न–।।' उपक्रम
जी.टी. रोड, नारामऊ, कानपुर–२०९२१७
आई.एस.ओ. ९००१:२०१५

ISO 9001:2015

ARTIFICIAL LIMBS MANUFACTURING CORPORATION OF INDIA

A Govt. of India, "Miniratna-II' CPSU under Department of Empowerment of Persons with Disabilities (Divyangjan) Ministry of Social Justice & Empowerment

G.T. Road, Naramau, Kanpur-209217
An ISO 9001:2015 Company

सामर्थ्य 2025

ALIMCO Visionaries

Dr. B. Shankaran
Chairman
28.12.1972 to March 1981

Maj. Gen. K. Raghunath (Retired)
Managing Director
24.04.1974 to 26.06.1982

Dr. B. Mukhopadhyay
Chairman
Sept. 1981 to 16.05.1985

Lt. Col. A.K. Tiwari (Retired)
Managing Director
12.10.1982 to 11.10.1986

Dr. M.K. Goel
Chairman
14.08.1986 to 17.09.1990

Col. Santosh Chandra (Retired)
Managing Director
08.01.1987 to 26.03.1993

Dr. R.S. Kherwa
Chairman & Managing Director
25.11.1994 to 24.11.1997

Brig. Jagmohan Uppal (Retired)
Chairman & Managing Director
09.10.1998 to 03.06.2004

ALIMCOs Visionaries OVER DECADES

Shri A.K. Bhattacharya
Chairman & Managing Director
20.08.2004 to 31.08.2007

Shri S.K. Mukherjee
Chairman & Managing Director
17.09.2007 to 30.11.2010

Shri G. Narayan Rao
Chairman & Managing Director
27.05.2011 to 30.09.2014

Shri D.R. Sarin
Chairman & Managing Director
01.10.2014 to 31.12.2021

Shri Rajan Sehgal
Chairman & Managing Director
01.01.2022 to 13.10.2022

Shri Rajesh Kumar Yadav
Chairman & Managing Director
13.10.2022 to 08.02.2023

Shri Praveen Kumar
Chairman & Managing Director
08.02.2023 all date

Shri S.K. Verma
Chairman
18.09.1990 to 17.09.1992

Smt. Arti Khosla
Chairman & Managing Director
Sept. 1992 to Dec. 1992

Dr. R.K. Nayak
Chairman & Managing Director
Dec. 1992 to Feb. 1994

Shri A.C. Padhi
Chairman & Managing Director
08.12.2010 to 07.03.2011

गृह पत्रिका

"सामर्थ्य"

एलिम्को, कानपुर नगर, उ०प्र०

संपादक मण्डल का लेखकों के विचारों से सहमत होना अनिवार्य नहीं है।
रचनाओं में व्यक्त किये गये विचार लेखकों के निजी विचार हैं।

ARTIFICIAL LIMBS MANUFACTURING
CORPORATION OF INDIA

संपादक मण्डल

श्री आलोक ठाकुर –उप-महाप्रबंधक, सामग्री (अध्यक्ष)
श्री अनुपम प्रकाश–वरिष्ठ प्रबंधक, विपणन (सदस्य)
श्री सुमित तिवारी, जनसंपर्क अधिकारी (सदस्य)
श्री महेश सिंह– सहायक प्रबंधक, प्रशासन (सदस्य)
श्री सुरेन्द्र सिंह–कनिष्ठ प्रबंधक, विपणन (सदस्य)

भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम

(भारत सरकार का उपक्रम)
आई एस ओ 9001 : 2015 प्रतिष्ठान
जी. टी. रोड, कानपुर नगर, (ऊ० प्र०) 209217

अनुक्रमणिका

क्रम संख्या	लेख/रचना	पृष्ठ संख्या
1.	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय का सन्देश	01
2.	महाप्रबंधक महोदय का सन्देश	02–04
3.	Alimco Auxiliary Production Centers & Regional Marketing Centers Exhibition of Buildings	05–06
4.	निगम का विस्तार, उद्देश्य, उपलब्धियाँ व प्रसिद्धि	07
5.	निगम का आधुनिकीकरण और इसकी प्रगति व प्रभाव	08
6.	निगम द्वारा ऊर्जा संरक्षण के लिये उठाये गये सराहनीय कदम	09
7.	Details information of Pradhanmantri Divyansh Kendra (PMDK) & Alimco Authorised Service Repair Agency (AASRA)	10–12
8.	माननीय केन्द्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों का निगम में शुभ आगमन	13–14
9.	Marketing & New Frontiers	15–18
10.	Human Capital : The best bet for sustainability and profitability	19–20
11.	सूचना का अधिकार	21
12.	उत्पादकता एवं गुणवत्ता के क्षेत्र में नए आयाम	22–23
13.	महाकुम्भ में निगम द्वारा आयोजित मेगा वितरण शिविर की झाकियाँ	24–25
14.	History and Origin of Wheelchair	26
15.	Honoring the Legacy - Dr. Ram Bux Singh	27
16.	Our CSR Partner's	28
17.	Weaving the Guinness Magic	29
18.	एक बहती नदी जैसा जीवन	30–31
19.	एलिम्को में आयोजित होने वाले विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की झलकियां	32–33
20.	Contribution and achievements of the Corporation in other programmes	34–37
21.	Bhumi Pujan Ceremony for ALIMCO at Purba Laxmibill	38
22.	A Mega Distribution Camp under the ADIP Scheme in District Rajkot	39
23.	MoU with TATA Steel	40
24.	ALIMCO participated in the 16th International Confrence	41
25.	राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह	42
26.	Chintan Shivir	43
27.	राष्ट्रीय समीक्षा सम्मेलन	44
28.	AW&EIL ESA CSR पहल के अंतर्गत आयोजित वितरण शिविर	45
29.	निगम के दो वरिष्ठ कर्मचारियों का परिचय	46–47
30.	5 से 35 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले कर्मचारियों को प्राप्त सेवा उपहार की सूची	48–54
31.	एलिम्को में आयोजित खेल प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों की नाम सूची	55–56
32.	वर्ष 2024 में नवनियुक्त अधिकारियों/कर्मचारियों की सूची	57
33.	वर्ष 2024 में सेवानिवृत्त हो चुके कर्मचारियों की सूची	58
34.	लेख एवं कविताएँ	59–66

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय का सन्देश

हम एक नए वर्ष की ओर अग्रसर हैं, और इस अवसर पर मैं आने वाले दिनों में टीम एलिम्को की प्रसन्नता और समृद्धि की कामना करता हूँ वर्ष '2025' हम सभी के लिए अपार अवसर लेकर आए ताकि हम सामूहिक रूप से एलिम्को को नई ऊँचाइयों पर ले जा सकें।

विगत वर्ष हमारे लिए अच्छा रहा है और हमने महत्वपूर्ण लक्ष्य हासिल किये जिसने एलिम्को के आकर्षक उड़ान को नए पंख प्रदान किए। उत्पादन के दृष्टिकोण से, हमने केवल आठ माह के भीतर मोटराइज्ड उपकरणों को वितरित करके बेहद अलौकिक तरीके से उत्कृष्टता को हासिल किया है, जिसमें मुख्यालय कानपुर व एएपीसी बैंगलौर, एएपीसी भुवनेश्वर, एएपीसी फरीदाबाद, एएपीसी जबलपुर, एएपीसी मोहाली, एएपीसी उज्जैन इत्यादि केन्द्र शामिल हैं।

वृद्ध और दिव्यांगजनों के लिए बेहतर सुविधाएं एवं सुगम व्यवस्था के लिए हमेशा अग्रसर रहा हमारा एलिम्को आज दुनिया भर में प्रचलित है।

प्रतिष्ठित 'गुणवत्ता' प्राप्त करने की कुंजी है, आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण और विकास की सुविधा कर्मचारियों को प्रदान करने के लिए वर्ष 2024 में भी पूरे साल केन्द्रित प्रयास किए गए। एलिम्को कर्मचारियों के लिए विभिन्न विषयों पर 110 प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने के अतिरिक्त, आउटबाउंड टीम बिल्डिंग कार्यशालाएं और नवनियुक्त अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण भी आयोजित किये गए।

वित्तीय निष्पादन के मोर्चे पर, वित्त वर्ष 2023-24 में हमने अपना उच्चतम कारोबार हासिल किया साथ ही अन्य सभी प्रमुख वित्तीय मापदंडो ने भी नई ऊँचाइयों को छुआ। जैसे-जैसे हम एक नए वर्ष की ओर बढ़ रहे हैं, कारोबारी माहौल जटिल और अत्यधिक चुनौतीपूर्ण बनता जा रहा है। व्यापार में बने रहने के साथ-साथ बेहतर लाभ मार्जिन हासिल करने के लिए, कम्पनी को लागत में कमी और मोटराईज्ड वाहनों की समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए नई रणनीतियां अपनाने की आवश्यकता है। यह हमारे संचालन के सभी क्षेत्रों में आंतरिक दक्षताओं में निरंतर सुधार के माध्यम से ही संभव होगा। मैं आप में से प्रत्येक से आग्रह करता हूँ कि हमारे निगम के वित्तीय विकास के लिए छोटा ही सही पर अपना योगदान जरुर दें। हम एक दशक में 'नवरत्न' का दर्जा प्राप्त करने के अपने दृष्टिकोण को साकार करने के करीब पहुँच सके।

मैं बीते वर्ष में आपके महत्वपूर्ण योगदान हेतु आप सभी को धन्यवाद देता हूँ। जैसा कि आप जानते हैं, हमने 'निगमित लक्ष्य 2023-24' प्रख्यापित किया है और मैं आप में से प्रत्येक से कड़ी मेहनत करने और इन लक्ष्यों को प्राप्त करने की अपेक्षा रखता हूँ।

एक बार पुनः टीम एलिम्को आप और आपके परिवार के प्रत्येक सदस्य को – नव-वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ। हम सभी का जीवन सुख-समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य से परिपूर्ण रहे।

प्रवीण कुमार
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

महाप्रबन्धक (प्रशासन एवं वित्त) महोदय का सन्देश

मुझे यह जानकार अत्यंत हर्ष की अनुभूति हो रही है कि एलिम्को द्वारा शीघ्र ही **'सामर्थ्य'** पत्रिका का प्रकाशन होने जा रहा है। हमारा संस्थान दिव्यांग एवं वयोश्री जनों की सेवा में हमेशा तत्पर रहा है, पिछले 10 वर्षों में हमारे संस्थान ने निरंतर प्रगति करते हुए नित नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। अब इस पत्रिका के प्रकाशन से इस निगम के समस्त हितधारकों से निरंतर संचार सम्भव हो सकेगा।

मुझे अपेक्षा है कि इस पत्रिका में निगम द्वारा उठाए गये नवाचारी कदमों की जानकारी हम अपने हितधारकों से साझा कर सकेंगे। उनकी राय भी हमारे पास आती रहे, इसके लिए प्रकाशन मंडल से अनुरोध करूँगा कि एक स्तंभ **'चिट्ठी – पाती'** के विषय पर सम्मिलित करें।

सभी हितधारकों के सहयोग से हम निरंतर प्रगति करें ईश्वर से ऐसी प्रार्थना है। प्रकाशन मंडल को पुन: बहुत-बहुत बधाई। मुझे पूर्ण विश्वास है कि सामर्थ्य पत्रिका इसी भावना को प्रस्फुटित करने में सफल होगी। सफलता की शुभकामनाओं के साथ।

अतुल रुस्तगी
महाप्रबंधक (वित्त एवं प्रशासन)

महाप्रबन्धक (विपणन) महोदय का सन्देश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि निगम में सभी सरकारी कार्यों के लिए प्रोत्साहन हेतु एलिम्को की "सामर्थ्य" नामक पत्रिका प्रकाशित हो रही है। हम सभी को एक बहुभाषी देश के नागरिक होने पर गर्व है। एलिम्को, भारत की सर्वश्रेष्ठ कंपनियों में से एक है, जो संपर्क भाषा की भूमिका निभाते हुए हमारे विविधतापूर्ण देश को एक सूत्र में बांधने का कार्य करती है।

एलिम्को द्वारा किए जा रहे अन्य सभी कार्यों के साथ-साथ "सामर्थ्य" पत्रिका के प्रकाशन में अपना अमूल्य योगदान देने के लिए मैं निगम की कार्यान्वयन समिति के सभी सदस्यों को धन्यवाद देता हूँ।

आशा है कि यह पत्रिका आप सभी को सरकारी कार्यों में और अधिक प्रेरणा प्रदान करेगी।

अजय चौधरी

महाप्रबंधक / प्रभारी (विपणन)

महाप्रबन्धक (उत्पादन एवं सामग्री-प्रबंधन) महोदय का सन्देश

निगम की वार्षिक पत्रिका सामर्थ्य के प्रकाशन पर मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है। पत्रिका "सामर्थ्य" का प्रकाशन एलिम्को के उत्तरोत्तर विकास की दिशा में एक सराहनीय कदम है। निगम सरकार की नीतियों के कार्यान्वयन एवं प्रचार-प्रसार में पत्रिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इससे कार्यालयों के कार्मिकों को अपने-अपने कार्यकलापों से अपनी सहित्यिक प्रतिभा को प्रदर्शित करने का एक सुगम मंच भी प्राप्त होता है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि निगम की पत्रिका "सामर्थ्य" के प्रकाशन से अधिकारियों में उत्पादन एवं विपणन के प्रति रुझान बढ़ेगा और अधिकाधिक प्रयोग के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

इस पत्रिका के प्रकाशन में जिन अधिकारियों/कर्मचारियों की रचनाएँ प्रकाशित हुई हैं, उन्हें मैं बधाई देता हूँ। पत्रिका के प्रकाशन में प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग प्रदान करने के लिए सभी अधिकारी/कर्मचारी भी बधाई के पात्र हैं।

विवेक द्विवेदी

महाप्रबंधक / प्रभारी (उत्पादन एवं सामग्री-प्रबंधन)

AAPC Bangalore

AAPC Bhubaneswar

AAPC Faridabad

AAPC Jabalpur

AAPC Mohali

AAPC Ujjain

RMC Chennai

RMC New Delhi

RMC Hyderabad

RMC Kolkata

RMC Mumbai

RMC Ranchi

RMC Guwahati

RMC Jaipur

एलिम्को का विस्तार, उद्देश्य, उपलब्धियाँ व प्रसिद्धि

आर्टिफिशियल लिम्ब्स मैन्युफैक्चरिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (ALIMCO), जो अनुसूची 'सी' मिनीरत्न श्रेणी-II, केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम के रूप में कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 8 के अंतर्गत पंजीकृत है (कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 25 के अनुरूप), और जो सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन कार्य कर रही है।

यह 100% भारत सरकार का उद्यम है जिसका उद्देश्य दिव्यांग व्यक्तियों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए पुनर्वास सहायता का निर्माण करके तथा देश के दिव्यांग व्यक्तियों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए कृत्रिम अंगों और अन्य पुनर्वास सहायता की उपलब्धता, उपयोग, आपूर्ति और वितरण को बढ़ावा देना, उन्हें प्रोत्साहित करना तथा उनका विकास करके दिव्यांग व्यक्तियों और वरिष्ठ नागरिकों को जितना हो सके उतना लाभ पहुंचाना है। हालांकि यह सच है कि स्थिरता के लिए लाभ आवश्यक है, लेकिन निगम का उद्देश्य लाभ नहीं है, इसका तो मुख्य उद्देश्य बड़ी संख्या में दिव्यांग व्यक्तियों और वरिष्ठ नागरिकों को उचित मूल्य पर बेहतर गुणवत्ता वाले सहायक उपकरण उपलब्ध कराना है। निगम ने साल 1976 में कृत्रिम उपकरणों का निर्माण कार्य शुरू किया। वर्तमान में इसके छः सहायक उत्पादन केन्द्र (AAPC) भुवनेश्वर (उड़ीसा), जबलपुर (म.प्र.), बेंगलुरु (कर्नाटक), मोहाली (पंजाब), उज्जैन (म.प्र.) और फरीदाबाद (हरियाणा) में स्थित हैं। निगम के छः विपणन (मार्केटिंग) केंद्र नई दिल्ली, कोलकाता, मुंबई, हैदराबाद, रांची और गुवाहाटी में हैं।

निगम के पास 50 से अधिक प्रधानमंत्री दिव्यांग केंद्र (PMDK) भी हैं, ताकि दिव्यांग व्यक्तियों को एलिम्को (ALIMCO) तक पहुंचने में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। निगम एकमात्र विनिर्माण निगम है जो पूरे देश में सभी तरह के दिव्यांगों की सेवा के लिए एक ही छत के नीचे भिन्न-भिन्न प्रकार के सहायक उपकरणों का उत्पादन करता है। प्रशासनिक मंत्रालय की योजना का लाभ लोगों तक पहुंच सके, इसके लिए प्रशासनिक मंत्रालय के मार्गदर्शन में अगले पांच वर्षों में 36 राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों में 300 केंद्र (प्रधानमंत्री दिव्याशा केंद्र) स्थापित करने की योजना बनाई गई है।

1. पिछले 5 वर्षों में माननीय प्रधान मंत्री जी मुख्य अतिथि के साथ 5 मेगा वितरण शिविरों का निगम द्वारा वितरण किया गया।
2. ALIMCO/मंत्रालय के नाम 10 गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज हैं।
3. नोडल एजेंसी के रूप में 17 सितंबर, 2022 को 72 वितरण शिविरों का आयोजन समन्वित किया गया है।
4. भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा वर्ष 2011-12 में उत्कृष्ट योगदान हेतु स्कोप उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त किया है।
5. भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा संस्थागत श्रेणी के तहत वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सेवाओं के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार 'वयोश्रेष्ठ सम्मान-2019' प्राप्त हुआ है।
6. 08.04.2021 को इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा लागत प्रबंधन -2019 में उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार (प्रथम स्थान) प्राप्त हुआ है।

निगम का आधुनिकीकरण और इसकी प्रगति व प्रभाव

एलिम्को (ALIMCO) गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध कराकर दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों की सेवा कर रहा है। लगातार उपयोग के कारण, इसके ज्यादातर इंफ्रास्ट्रक्चर संसाधन जैसे कि प्लांट मशीनरी, सिविल संरचना, विद्युत कार्य, विनिर्माण प्रौद्योगिकी, उत्पाद प्रोफाइल आदि लगभग सभी अपना जीवन साइकल पूरा करने वाले थे या चलन से बाहर हो गए थे। चूंकि बाजार में यह उत्पाद अपनी गुणवत्ता के अपग्रेडेशन के आधार पर लंबे समय तक बने रहते हैं, इसलिए देश में हमारे दिव्यांग भाइयों की जरूरतों को पूरा करने और प्राइवेट प्लेयर्स की बढ़ती चुनौती का सामना करने के लिए बुनियादी ढांचे के साथ-साथ उत्पादन लाइन का आधुनिकीकरण करना जरूरी समझा गया, ताकि वे मुख्यधारा का हिस्सा बन सकें और राष्ट्र के समग्र विकास में अपना योगदान दे सकें।

आधुनिकीकरण की प्रक्रिया 2018 में शुरू की गई थी। आधुनिकीकरण की अनुमानित लागत 338.04 करोड़ रुपये थी, जिसमें से 200 करोड़ रुपये की अनुदान सहायता भारत सरकार द्वारा स्वीकृत की गई थी और शेष 138.04 करोड़ रुपये एलिम्को (ALIMCO) को अपने स्वयं के स्रोतों से खर्च करने थे।
324.95 करोड़ रुपये की कुल वित्तीय लागत के साथ आधुनिकीकरण की प्रक्रिया 2023 में पूरी हुई।

दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों को उचित लागत पर गुणवत्तापूर्ण उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध कराने के लिए, निगम द्वारा अपने मौजूदा प्लांट का आधुनिकीकरण करके नई मशीनें लगाई गईं। नए और आधुनिक बिल्डिंग शेड आदि के लिए सिविल इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना और ऑटोमेटिक पुनर्प्राप्ति एवं स्टोरेज प्रणाली, मेटल प्रिपरेशन, रोबोट वेल्डिंग, सरफेस ट्रीटमेंट, पाउडर कोटिंग, कन्वेयराइज्ड फाइनल असेंबली और 3 टायर तैयार माल स्टोरेज जैसे नए संयंत्र एवं मशीनरी की स्थापना तथा उनकी कमीशनिंग पूरी हो चुकी है। नए निर्मित किए गए बुनियादी ढांचे और प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने के उपरांत उत्पादन क्षमता पूर्व-आधुनिकीकरण क्षमता की तुलना में धीरे-धीरे 2.5 गुना बढ़ गई है। आधुनिकीकरण परियोजना के सफलतापूर्वक पूर्ण होने से दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों को उचित लागत पर उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध करा पाने की एलिम्को (ALIMCO) की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। अपग्रेडेड इंफ्रास्ट्रक्चर और उन्नत टेक्नोलॉजी ने न केवल उत्पादन दक्षता में सुधार किया है, बल्कि एलिम्को (ALIMCO) को बाजार में भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए भी तैयार किया है। आधुनिकीकरण का प्रयास दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने और मुख्यधारा में उनके एकीकरण में योगदान देने के लिए एलिम्को (ALIMCO) की कटिबद्धता को दर्शाता है, जो अंततः राष्ट्र के विकास में सहायक हो।

निगम द्वारा ऊर्जा संरक्षण के लिए उठाये गये सराहनीय कदम

1. विभिन्न उपयोगिताओं के लिए 3 फेज की सप्लाई को सभी फेज में समान रूप से लोड करके उचित रूप से अलग रखकर संतुलित किया गया है।
2. मशीन शॉप में सटीक वेंटिलेशन और टर्बो वेंटिलेटर प्रदान किया गया है, ताकि शॉप में लगाए गए विभिन्न मोटरों को ठण्डा रखा जा सके और खपत कम हो।
3. एनर्जी एफिशिएंट फैन (50W) स्थापित किया गया है और इसने अधिक बिजली खपत करने वाले पुराने पंखे की जगह लेली है।
4. 11 स्थानों पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग को अपनाया गया है, जैसे कि प्रशासनिक भवन के बगल में, टूल रूम, R&D बिल्डिंग, जिससे आसपास के क्षेत्र में जल स्तर बढ़ा और पंप/मोटर पर लोड कम हुआ और बाद में मोटर (A) कम हो गया।
5. नया IoT सक्षम एयर कंप्रेशर लगाया गया है।
6. सेंट्रल स्टोर वर्क, व्हील असेंबली शेड में सभी पारदर्शी शीट लगाई गई हैं, जिससे विद्युत प्रकाश व्यवस्था का उपयोग कम हुआ है और खपत कम हुई है।
7. सभी पुराने कूलिंग टावरों के फिल को नए पीवीसी (PVC) सेल्युलर फिल से बदला गया है, जो बदले में कम ऊर्जा खपत के साथ पानी को ठंडा करते हैं।
8. ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत यानी डीजल / पेट्रोल के संरक्षण के लिए डीजल वाहन के स्थान पर ई.वी. वाहन (ElectronicVehicle) का इस्तेमाल स्थानीय परिवहन के लिए किया जा रहा है।
9. सीएनसी (CNC) मशीन में निर्मित आधुनिक नियंत्रक के माध्यम से विभिन्न सीएनसी (CNC) संचालित मशीन टूल्स के स्टार्टिंग करंट को कम करके वीएफडी (VFD) ऑप्शन को शामिल किया गया, जिससे लोड कम हुआ है।
10. कैंटीन क्षेत्र के पास बायो डिग्रेडेबल कम्पोस्ट सेट-अप को अपनाया गया है, जो आगे के घरेलू इस्तेमाल के लिए बायो 'खाद' जनरेट करेगा, जिससे बाहर से परिवहन भी कम होगा साथ ही इसके फलस्वरूप ईंधन की खपत भी कम हो जाएगी।
11. सबस्टेशन (33 KV/ 415 वी) और एलिम्को (ALIMCO) टाउनशिप में पावर फैक्टर (0.97 से ज्यादा) के नुकसान को कम करने के लिए उपयुक्त क्षमता वाले कैपेसिटर बैंक को पावर फैक्टर इंप्रूवमेंट द्वारा बनाए रखा जाता है।
12. वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों के रूप में सौर ऊर्जा संयंत्र (1250 किलोवाट) की स्थापना की गई है, जो कुल बिजली की लगभग एक चौथाई आपूर्ति कर रहा है।
13. एलिम्को (ALIMCO) के सभी डीजी सेट में यूपीपीसीबी (UPPCB) मानदंडों के अनुसार एल्युमिनियम क्लैडिंग वाले चिमनी टावर हैं।
14. निगम कार्यालय, मार्ग, सामान्य क्षेत्र और कार्य केंद्र के फ्लोरेसेंट ट्यूब लाइट को एलईडी (LED) ट्यूब लाइट / एलईडी (LED) सीलिंग लाइट / एलईडी (LED) बल्ब से बदला जा रहा है।
15. साधारण (HPMV) आधारित स्ट्रीट लाइट को एलईडी (LED) स्ट्रीट लाइट से बदल रहा है।
16. ऊर्जा खपत को बचाने के लिए निगम द्वारा न्यूनतम 5 स्टार रेटिंग वाले एसी लगाए गए हैं।
17. एलिम्को (ALIMCO) कानपुर कैंटीन में ईंधन के रूप में एलपीजी (LPG) की जगह सीएनजी (CNG) का उपयोग किया जा रहा है।
18. नये पाउडर कोटिंग प्लांट में डीजल / इलेक्ट्रिकल हीटिंग के बजाय पीएनजी (PNG) का इस्तेमाल ईंधन के रूप में कर रहा है।

PRADHAN MANTRI DIVYASHA KENDRA (PMDKS)

With an endeavor to enhance the outreach the benefit of ADIP and RVY schemes of Govt. of India for providing free of Cost Aids & Assistive devices to Persons with Disabilities (Divyangjan) and Sr. Citizens, Ministry of Social Justice and Empowerment, Govt of India has decided to open a permanent center in every 100 KM radius of the Country so that the benefit of Assistive Devices can be made available to the eligible beneficiary nearer to his or her door step with minimum waiting time. ALIMCO, in compliance of above instruction have started Opening of Pradhan Mantri Divyasha Kendra (PMDKs) and as of now 46 PMDKs have already been opened covering all State/UTs of the Country. At these PMDKs following Services are being Offered:

- Free distribution of Aids and Appliances Devices to eligible Divyangjan & Sr. Citizen under the scheme of Govt. Of India.
- Prosthesis & Orthosis Fitment.
- Audiometry room for assessing hearing loss with the provision of providing free of Cost Digital and Digital Programmable Hearing Aids and subsequent training to already fitted user.
- After- Sales Service cum Technical Support for the appliances being distributed.

STATE	PMDK
1. Andaman & Nicobar Island	Port Blair
2. Andhra Pradesh	Nellore
3. Arunachal Pradesh	Naharlagun
4. Assaam	Guwahati
5. Bihar	Patna
6. Chandigarh	Chandigarh
7. Chattisgarh	Rajnandgaon
8. DH&DD	Daman
9. Delhi	Delhi
10. Gujarat	Ahmedabad
11. Haryana	Faridabad
12. Himanchal Pradesh	Sundernagar
13. Jammu & Kashmir	Jammu
14. Jammu & Kashmir	Srinagar
15. Jharkhand	Ranchi
16. Karnataka	Davangere
17. Kerala	Kozhikode
18. Ladakh	Leh
19. Ladakh	Kargil
20. Lakshadweep	Kavaratti
21. Madhya Pradesh	Chhattarpur
22. Madhya Pradesh	Bhopal
23. Madhya Pradesh	Jhabua
24. Maharashtra	Bandra- Mumbai
25. Maharashtra	Nagpur
26. Manipur	Senapati
27. Meghalaya	Shillong
28. Mizoram	Aizawal
29. Nagaland	Dimapur
30. Odisha	Cuttack
31. Odisha	Balangir
32. Puducherry	Puducherry
33. Punjab	Bathinda
34. Punjab	Mohali
35. Rajasthan	Jaipur
36. Rajasthan	Tonk
37. Sikkim	Gangtok
38. Tamilnadu	Chennai(NIEPMD)
39. Tamilnadu	Chennai(NIEPVD)
40. Telangana	Secunderabad
41. Tripura	Agartala
42. Uttar Pradesh	Lucknow
43. Uttar Pradesh	Noida
44. Uttrakhand	Dehradun
45. Goa	Panji
46. West Bengal	Kolkata

ALIMCO

PRODUCTION, MARKETING & REHABILIATION CENTRE (PMDKs)

JOURNEY —— 50 YEARS OF ALIMCO | DIVYASHA

Alimco Authorisied Sale & Service Repair Agency (AASRA) AS ON DATE

SL. No.	STATE	Sl. No.	AASRA	AASRA CENTRE	CONTACT NO.	STATUS
1	UTTAR PRADESH	1	HARDOI	AASRA Hardoi ANURAG MISHRA	6387226307	Active
		2	BASTI	AASRA Basti HARSH ENTERPRISES, S D SHUKLA	9450945655	Active
		3	LUCKNOW	AASRA Lucknow SPELLWORKS TECHNOLOGIES, SATYA DEO SHUKLA	9450945655	Active
		4	DEORIA	AASRA Deoria, ANUPAM KUMAR SRIVASTAVA	9839208111	Active
		5	KANPUR	AASRA Kanpur, Vinay Kumar Asthana	9838606914	Active
		6	BALLIA	AASRA Ballia Belthara road, Shiv Kumar Maurya	8853838438	Active
		7	BALLIA	AASRA Ballia, Karuna Nidhi Singh	8808139098	Active
		8	MIRZAPUR	AASRA Mirzapur Prem Shankar	9621231070	Active
		9	SULTANPUR	AASRA SULTANPUR, Smt SEEMA DEVI	9519772990	Active
		10	FATEHPUR	AASRA FATEHPUR, Shri PRAMOD KUMAR	9140402987	Active
		11	GORAKHPUR	AASRA GORAKHPUR, Smt SANGITA DEVI	9450561058	Active
		12	PRAYAGRAJ	AASRA PRAYAGRAJ, Shri RAJ NARARYAN MISHRA	9451588812	Active
2	Chhattisgarh	13	KANKER	AASRA Kanker Chhattisgarh Innovations, Bhupendra Mishra	7999917885	Active
		14	RAIPUR	AASRA Raipur V Tech Marketing Associat, Raj Kumar Sinha	9406052842	Active
3	Madhya Pradesh	15	TIKAMGARH	AASRA Tikamgarh, Chandrabhan Yadav	6268131939	Active
		16	CHHINDWARA	AASRA Chhindwara, Mukesh Kumar Malviya	9575100688	Active
		17	NAGDA	AASRA NAGDA, Shri DINESH KUMAR DAULANIYA	9098447647	Active
4	Gujarat	18	KHEDA	AASRA Kheda, CHANDRA GOPAL	9428656091	Active
		19	KUTCH	AASRA KUTCH, Shri JITENDRABHAI JOSHI	9558965707	Active
5	Punjab	20	Bathinda	Aasra Bathinda, Vinay bhardwaj	7889137536	Active
6	Orissa	21	BHADRAK	AASRA Bhadrak, Bhagaban Parida	9692165555	Active
7	Jharkhand	22	RANCHI-SUNDARIBHAWAN	AASRA Ranchi Maa Padda, Ruma Dutta	9835187674	Active
		23	RANCHI-PATELNAGAR	AASRA Dipti Ranchi, Chandra Mauli Pandey	9693262227	Active
		24	RANCHI-LEELAKUTIR	ASRA Ranchi, Kumar Surgicals	9431362003	Active
		25	SAHIBGANJ	AASRA Sahibganj, Abhishek Anand	8013319544	Active
8	West Bengal	26	KOLKATA	AASRA Kolkata, Sumit Roy	7980534831	Active
		27	BANKURA	AASRA BANKURA, Shri MALAY MUKHERJEE	9450561058	Active
9	BIHAR	28	SAHARASA	AASRA Saharsa Koshi KchhetriyaBiklang, Vinay Bhushan	9431863144	Active
		29	BAGALPUR	AASRA Bhagalpur ECO FABRICLY, Ashish Mohan	7296043713	Active
		30	PATNA-KANKARBHAGH	AASRA Patna, Jai Prakash Kumar	9439662192	Active
		31	SASARAM	AASRA Sasaram, Rajeev Kumar	9570477611	Active
		32	SAMASTIPUR-ADARSHNAGAR	AASRA Samastipur, Kumari Khushboo	9661030999	Active
		33	MUZAFFARPUR	AASRA Muzaffarpur,Ajay Kumar Ranjan	9304928342	Active

	BIHAR	34	KATIHAR	AASRA Katihar, Uttam Kumar	8051609606	Active
		35	PATNA-PAIJAWA	AASRA Patna ECO FABRICLY, Ashish Mohan	7296043714	Active
		36	SAMASTIPUR-DALSANSARI	AASRA Samastipurdalsinghsarai	9801731464	Active
		37	KHAGARIA	AASRA Khagaria, Arpana Chandra Gopal Kumari	9430620851	Active
		38	ARARIA	AASRA Araria, Sindhu Kumari	7980545790	Active
		39	VAISHALI	AASRA Vaishali, Mithilesh	8521205054	Active
		40	MADHUBANI	AASRA Madhubani, Yamunanandchoudhary	9546393176	Active
		41	NALANDA	AASRA NALANDA, Shri AMIT KUMAR	7250148106	Active
		42	CHHAPRA	AASRA CHHAPRA, Shri MITHLESH KUMAR	8294965166	Active
		43	BHOJPUR	AASRA BHOJPUR, Smt DIPTI RAGHAV	9651423024	Active
		44	DARBHANGA	AASRA DARBHANGA, Shri ANUPAM PRIYA	7541800809	Active
		45	SIWAN	AASRA SIWAN, Shri DHARMENDRA PANDEY	9631688161	Active
10	Maharashtra	46	NASIK	AASRA Nasik, Sagar Vijay Patole	8080066534	Active
11	Haryana	47	PALWAL	AASRA Palwal, Pawan	7015408546	Active
		48	PANIPAT	AASRA Panipat, Parveen Lamba	9991293674	Active
		49	JIND	AASRA Jind, Parveen Lamba	9991293674	Active
		50	KARNAAL	AASRA Karnal, Parveen Lamba	9991293674	Active
		51	ROHTAK	AASRA Rohtak, Parveen Lamba	9991293674	Active
		52	SONIPAT	AASRA Sonipat, Parveen Lamba	9991293674	Active
12	RAJASTHAN	53	DAUSA	AASRA Dausa, Sohanlal Meena	8426968801	Active

माननीय केन्द्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री का निगम में शुभ आगमन

माननीय केन्द्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार जी का कानपुर स्थित एलिम्को मुख्यालय में शुभ आगमन हुआ। इस अवसर पर मंत्री महोदय द्वारा निगम के संचालन, अधुनिकीकरण और भविष्य की कार्य योजना से संबंधित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और आधुनिकीकरण प्रक्रिया के अन्तर्गत निगम में प्रारंभ की गई नई निर्माण कार्यशाला में स्थापित आधुनिक टेक्नोलोजी की मशीनों द्वारा किये जा रहे निर्माण कार्य का अवलोकन भी किया। निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री प्रवीण कुमार द्वारा माननीय केन्द्रीय मंत्री को आधुनिक संयंत्र में निर्माण प्रक्रिया व उससे संबंधित अन्य बिन्दुओ के बारे में विस्तार से अवगत कराया तथा निकट भविष्य में निगम द्वारा निर्मित किये जाने वाले उत्पादों की जानकारी प्रदान की। भ्रमण कार्यक्रम के उपरान्त मंत्री महोदय द्वारा निगम परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। इस अवसर पर एलिम्को से श्री अतुल रूस्तगी, महाप्रबन्धक (प्रशासनिक एवं वित्त), श्री विवेक द्विवेदी, प्रभारी महाप्रबंधक (उत्पादन एवं सामग्री प्रबंधन) सहित निगम के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थिति रहे।

केन्द्रीय सामाजिक और अधिकारिता राज्य मंत्री श्री बी. एल. वर्मा जी का एलिम्को में शुभ आगमन एवं इस अवसर पर एलिम्को के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा मंत्री जी को शॉल एवं मूर्ति भेंट कर उनका स्वागत किया गया।

केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री श्री रामदास अठावले जी का एलिम्को के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री प्रवीण कुमार जी द्वारा लखनऊ एयरपोर्ट पर एडिप/आर वी वाई कैम्प फतेहपुर में भाग लेने के दौरान ''गमले में पौधा'' भेंट कर उनका स्वागत किया गया।

Visit of Hon'ble Minister (Social Welfare & Welfare of SC/ST/OBC), Govt. of NCT of Delhi, Shri Ravinder Indraj Singh to ALIMCO HQ, Kanpur on 21st May, 2025

Ms. Manmeet Kaur Nanda, IAS Joint Secretary, DEPwDs, MSJ&E visited in ALIMCO Kanpur

Visit of Ms. Richa Shanker, DDG, DEPwD, MoSJE, Govt. of India to ALICMO Kanpur

Ajay Chaudhary
General Manager (Marketing) I/C &
Chief Vigilance Officer, ALIMCO

Marketing – New Frontiers
Expanding Horizons of Impact, Innovation & Inclusion at ALIMCO

In our journey towards building a more inclusive, empowered, and accessible India, the Marketing Division of ALIMCO has emerged as a catalyst for transformation—bridging the gap between Assistive technology (AT) and the people who need it the most. Guided by the visionary leadership of the Hon'ble Minister and the unwavering support of the Ministry of Social Justice and Empowerment, ALIMCO has taken bold strides to not just reach out to , but also uplift the lives of Divyangjan and senior citizens across the nation.

Over the past decade, the Corporation has consistently demonstrated growth across all key performance parameters. Our Gross Turnover has risen impressively from ₹162.70 crore in FY 2014–15 to ₹745 crore (unaudited) in FY 2024–25. This milestone is a direct reflection of the dedication and synergized efforts of *Team ALIMCO*. Perhaps the most iconic example of ALIMCO's growing presence came during General Elections 2024, where over 65,000 wheelchairs were timely dispatched across multiple states to assist Divyangjan and elderly voters. What was once a logistical challenge becoming a powerful symbol of inclusion and accessibility.

Looking ahead, we are setting our sights even higher—with a projected sales target of ₹2000 crore over the next five years. This ambitious goal is closely aligned with our comprehensive outreach strategy, which includes covering all 500 Aspirational Blocks and designated PVTG villages for the distribution of aids and appliances. At the same time, we are strengthening our product basket to include more advanced and user-friendly , state-of-art Assistive devices tailored to the evolving needs of our beneficiaries.

Decentralized Outreach Through PMDKs and AASRA Centres

As part of our expansion strategy, the establishment of **300 Pradhan Mantri DivyashaKendras (PMDKs)** across the country will ensure that services such as assessment, fitment, repair, and follow-up care are available right at the doorstep of the beneficiaries. These one-stop centers symbolize our commitment to last-mile delivery and dignified service. As on April 2025 ,Corporation had opened 72 PMDKs across the country and continues its journey to reach and serve the unreachable.

ALIMCO has signed an MoU with TATA Steel Foundation to establish a Pradhan Mantri Divyasha Kend a (PMDK) at Sabal Kendra, Jamshedpur.

In addition, 60 **AASRA Centres** are being set up at regional hubs to serve as dedicated customer care and grievance redressal units. These centres are instrumental in providing personalized service, resolving issues promptly, and building long-term trust with our stakeholders.

Strengthening the Grassroots: Regional and Extension Centres

The strategic step of management to open new **Regional Marketing Centres in Ranchi, Jaipur and Chennai** aims to improve liaison with state government and also extend the reach out of the services of ALIMCO while generating more business as well. These facilities are crucial for streamlining logistics, offering localized support, better liasioning with Stae agencies and stake holders and enhancing responsiveness to community needs.

Corporate Social Responsibility: A Pillar of Inclusive Development

One of the shining pillars of ALIMCO's marketing success story has been our robust **CSR partnerships** with over 60 reputed corporates including Power Grid, PFC, Indian Oil Corporation , SAIL, REC, NHPC, ONGC, NTPC, GAIL etc. The partnership not just limited to public sectors enterprises, private corporates like Honda Motors, Yamaha , Gharda
Chemicals and Fiat also associated with ALIMCO in journey of empowering needy divyangjans.
Needless to mention, ALIMCO is now the most preferred Implementing agency for most of CPSEs and Corporates.

MoU with PFC for distribution of 2000 Lithium iron driver Motorised Tricycles.

Power Finance Corporation Limited - PFC India signed MoU with ALIMCO for distribution of 2000 Li-iron powered Motorized tricycles across 18 Districts in India

ALIMCO organized a distribution camp under CSR initiative of Advanced Weapons and Equipment India Limited (AW&EIL) at Kanpur.

Leveraging Technology for Transparent and Efficient Delivery

The introduction of the **Arjun Portal** marks a significant leap in our digital transformation. Implementation of SAP is another revolutionary digital transformation that facilitates seamless online booking, real-time inventory tracking, and dispatch management—ensuring transparency and efficiency in service delivery. Moreover, the integration of **3D printing technology** into orthotics and prosthetics has added a new dimension to our product innovation, allowing for greater customization and comfort.

Customer-Centric Approach and After-Sales Service

Our job doesn't end at delivery. We have reinforced our **After-Sales Service mechanisms** through a network of helplines, mobile repair units, and field support teams. The **AASRA Centres** also function as vital hubs for post-distribution support, ensuring that beneficiaries receive prompt care and resolution of grievances. Our integrated grievance redressal system has significantly improved satisfaction levels among both individual and institutional clients.

Expanding Non-GIA Sales and Diversifying Revenue Streams

While schemes like **ADIP and RVY** remain our core strength, we have significantly ramped up **Non-GIA sales** by supplying directly to state governments, educational institutions, Procurement Agencies and individuals. A recent milestone was our collaboration with the **Election Commission of India**, where we supplied wheelchairs and other accessibility aids to facilitate inclusive and barrier-free polling—reinforcing our role in promoting accessible democracy.

ALIMCO also boast of robust network of 50 Authorised Channel Partners cum Dealers across the country.

ALIMCO's Inclusive Footprint at Mahakumbh 2025:

At the sacred confluence of faith and humanity during Mahakumbh 2025, ALIMCO, guided by the visionary leadership of CMD Shri Praveen Kumar, wove a tapestry of inclusion from January 13 to February 26 in Prayagraj. With hands of compassion, over 25,000 elderly pilgrims received dignity through aids worth ₹20 crore under RVY. More than 7,000 Divyangjan found strength and support in devices worth ₹7 crore under ADIP.

Amidst the spiritual tide, a vibrant stall lit up with banners, LED screens, and hope, offering on-the-spot assessments and assistive devices that turned prayers into possibilities. It was more than a service — it was a celebration of accessible devotion, echoing the soul of a truly inclusive India.

Strategic Vision: Upgrading the Brand Itself

ALIMCO's proposal for Schedule 'B' PSU status is not merely administrative—it's a statement of evolution. With sustained growth, diversification, and a ₹2000 crore vision, this upgrade would:

- Attract top talent
- Expand global exports
- Leverage economies of scale
- Enhance brand equity nationally and internationally

As India aspires to become a global assistive tech hub, ALIMCO is preparing to be its front-runner.

The Road Ahead: Innovation with Compassion

As we look toward the future, ALIMCO's Marketing Division remains committed to blending **innovation with compassion**, and **technology with inclusion**. Our aim is not merely to increase numbers, but to enhance **impact, trust, and accessibility** in every part of the country.

We stand at the cusp of a new era—where every step we take is powered by purpose, and every initiative we launch is guided by empathy. Together, with our partners, stakeholders, and the unwavering spirit of Team ALIMCO, we are scripting a future that is **inclusive, empowered, and truly accessible for all**.

Conclusion: A Brand that Empowers Bharat

ALIMCO is no longer just a corporation—it is a movement in motion. By fusing technology with empathy, design with dignity, and service with strategy, it is redefining what marketing means in the public sector.

With each innovation, campaign, and connection, ALIMCO is writing a new chapter in India's social narrative—where every product delivered is not just an object, but an invitation to walk, work, dream, and thrive.

This is marketing with purpose. This is ALIMCO.

Human Capital: The best bet for sustainability and profitability

The profitability and sustainability of any organization depends on the value it generates for its customers in the form of products and services. The value generated, in turn, depends the choice of technology adopted by the organization for producing goods services and the chosen technology ultimately depends on the human beings (collectively human resource or human capital) working in the organization and the organization culture, since, it is the employee of a company who understands customer needs, develops/ adopts the right technologies, aligns resources, delivers results and generates value in terms of profitable products/ services.

The above statement underscores the importance of human resource for an organization. The data of employee surveys reveal the importance of motivation and a healthy organization culture for getting employees to give maximum efforts. The revenue per employee data is, generally, on the higher side for the companies with motivated employees. Therefore, it becomes very important for the organizations to keep their employees motivated and aligned to the overall goals. The organizations who fail to manage their human capital eventually die and fade out in the oblivion.

Better performing organizations have created infrastructure to maintain a close watch on the motivation levels of employees and take immediate course corrections upon noticing slightest signs of deterioration. Global leaders such as Google, Amazon, Apple, Toyota, Ikea etc have elaborate HR practices which ensure selection and retention of the persons with desirable skills and values systems. They have evolved a carefully designed rigorous recruitment process which ensures that the persons who make through the selection process get assimilated easily in the culture of the organization. The HR practices of such organization also ensure that the non-performers and the persons who are not aligned to the organization's ethos are gradually weeded out. Some of the case studies highlighting the importance of human capital and the strategies adopted by organizations for their motivation/ retention have been included in the subsequent sections of this article.

Tata Power Strategic Engineering Division was facing a crisis situation and the employee attrition rate breached 25% mark and the retention of HI-POTS (high potential employees) dropped to 90%. The exodus of the employee was estimated to have catastrophic impact on the growth of the company if the management failed to address this pressing concerns. Specific actions were planned and executed to transform the organization culture which resulted in decline in attrition rate to 8%, improvement in retention of HI-POTS above 96% and an improved execution of project delivery.

SPACEX (founded in 2002), now an established name in aerospace, has been a fast-growing organization with a very intense work culture. The organization structure at SPACEX is flat which encourages increased involvement of the employees in the decision-making process and suits the intense work culture of the organization. This also ensures better collaboration between employees and functions resulting in faster project deliveries. The management sets very ambitious targets and demands the execution of projects at a frenetic pace. This kind of work environment, obviously, is not for everyone.

To achieve the aggressive targets and the long-term goals of the company, the management recruits' self-driven people who are extremely passionate about the mission and can endure pressure in demanding circumstances, Performance under pressure, creativity, cost and time consciousness are sought after qualities in SPACEX. Although, the task of recruiting and retaining right and motivated talents looks very easy, the ground realities make the task very difficult. In Elon Musk Words "SpaceX is like Special Forces.... we do the missions that others think are impossible. We have goals that are absurdly ambitious by any reasonable standard, but we're going to make them happen.

We have the potential here at SpaceX to have an incredible effect on the future of humanity and life itself." SPACEX HR gets piles of resumes, screens potential candidates, further shortlists few based on multiple phone calls and finally ask the candidates to appear for a personal round of interviews at SPACEX. The interviews are very gruelling and are designed to help in selection of the candidate with right mind set.

The Global IT services giant IBM uses cognitive and Al platform, Watson, to recruit and retain employees in the country The data through Watson platform) is used extensively in hiring, which starts from sourcing applicants to final selection. With Al tools, IBM can now predict which employee is most likely to leave, and thus helps to better manage the retention efforts," While the company refused to divulge the numbers, it is estimated that overall attrition in India. had fallen 2-3 per cent after the use of Al-led solutions".

One of the philosophies at Google is "work should be challenging and the challenge should be fun". The giant encourages potential candidates to explain their thought process and decision making throughout the interview. The company evaluates candidates not only the technical ability, but also how he/ she approaches the problems and tries to solve them. The interviewers deliberately ask open-ended questions to provide insight into what categories and information the candidate values within the technological puzzle which basically is to see how someone engages with the problem and primary methodology for solving it. The company ensures that all hiring adheres to the set standards and believes in trusting people from the day one as all people are hired through the same process.

At Toyota Motor Corp., quality is the most admired parameter and every effort at the corporation are directed towards achieving it. Toyota offers competitive pay, comprehensive health benefits and ample growth opportunities to its employees other than the attraction of working at one of the best automobile company. The company has a custom designed online application format which helps in understanding the candidates. After the online application, candidates have to go through the aptitude test. The next step in the recruitment process is work simulation which takes place at the assessment center at one of the Toyota location. This is a very important phase as it exposes the candidate to the physical demand of the job and help unwanted candidates to opt out of the recruitment process. This also helps Toyota to understand more about the value system of the candidate. The final stages prior to job offer include an interview. In the interview stage, functional and HR representatives ask job related technical and behavioural questions to assess the candidate's fitness within the Toyota environment.

The case studies show that the global leaders ensure that the potential recruits are good fit to the job demands and value systems of the organization at the entry level itself. These organizations pay close attention to the employee motivation, provide a balanced mix of monetary/ non-monetary benefits, career-growth linked to bench-marked performance and an ambiance aligned to the long-term goals.

The case studies highlight the efforts put in by the global giants to ensure that right resources (aligned to their value systems and long-term goals) are recruited, retained and given growth opportunities All organizations, big or small, therefore, need an intelligent investment in their human capital to create the right platform for growth, profitability and sustainability. This is particularly important for Indian companies trying to make long term foothold in the global market and our country's resolve to improve its Global Competitiveness position.

Alok Thakur
DGM (Project & MM)

"सूचना का अधिकार"

सूचना का अधिकार लोकतंत्र में नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु एक महत्त्वपूर्ण उपकरण है।"
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) के अंतर्गत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार दिया गया है, जिसके सार में जानकारी तक पहुँच की स्वतंत्रता निहित है। इसी विचार को सशक्त रूप देने के लिए **सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005** को लागू किया गया। यह अधिनियम लोकतंत्र में पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और नागरिकों की भागीदारी को सुनिश्चित करने हेतु एक प्रभावी उपकरण सिद्ध हुआ है।

सूचना का अधिकार: लोकतांत्रिक भागीदारी का माध्यम

- RTI नागरिकों को सरकारी कार्यकलापों की जानकारी प्राप्त करने का अधिकार देता है, जिससे वे नीति-निर्माण और कार्यान्वयन में *प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से भागीदार* बनते हैं।
- यह *जनसुनवाई, सामाजिक अंकेक्षण* एवं *जन-जवाबदेही* जैसे उपायों को सशक्त करता है।
- उदाहरण: 2G घोटाला, कॉमनवेल्थ खेल घोटाला जैसे मामले RTI की बदौलत सार्वजनिक हुए।

भारत में RTI के समक्ष प्रमुख चुनौतियाँ:

1. **जागरूकता की कमी:**
   - अधिकांश नागरिकों को RTI के प्रावधानों और उसके प्रयोग की विधियों की जानकारी नहीं है।
   - ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में यह स्थिति और भी गंभीर है।
2. **सूचना की गुणवत्ता और समयबद्धता:**
   - कई बार याचिकाकर्ताओं को अधूरी, अस्पष्ट या भ्रामक जानकारी दी जाती है।
   - RTI के तहत तय समय सीमा (30 दिन / 48 घंटे) का पालन नहीं हो पाता।
3. **सूचना आयोगों की कार्य क्षमता:**
   - आयोगों में *स्टाफ की कमी, बैकलॉग,* और *आवेदन* विलंबन जैसी समस्याएँ आम हैं।
   - कई राज्यों में *सूचना आयुक्तों की नियुक्ति* लंबित रहती है।
4. **संशोधन से उत्पन्न चिंता:**
   - हालिया संशोधनों के कारण सूचना आयुक्तों की स्वायत्तता पर प्रश्न उठे हैं, जिससे *निष्पक्षता प्रभावित* होने की आशंका है।
5. **सुरक्षा और संरक्षण का अभाव:**
   - कई RTI कार्यकर्ताओं को जान का खतरा रहा है। *व्हिसलब्लोअर संरक्षण अधिनियम* का क्रियान्वयन प्रभावी नहीं है।
6. **निजता बनाम सूचना का द्वंद्व:**
   - जब सूचना माँग व्यक्ति विशेष से संबंधित हो, तब निजता के अधिकार और RTI के बीच संतुलन बनाना चुनौतीपूर्ण होता है।

निष्कर्ष:

RTI अधिनियम लोकतंत्र की आत्मा– *जवाबदेही और पारदर्शिता* – को जीवंत करता है। इसके प्रभावी क्रियान्वयन से न केवल भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया जा सकता है, बल्कि नागरिकों को सत्ता के प्रति सचेत और सहभागी बनाया जा सकता है। अतः यह अनिवार्य है कि सरकार, समाज और नागरिक मिलकर RTI की संस्थागत क्षमताओं को सुदृढ़ करें ताकि यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया का एक सशक्त स्तंभ बना रहे।

अनुपम प्रकाश
वरिष्ठ प्रबंधक (विपणन–नार्थ ईस्ट एण्ड सर्विसेज)

उत्पादकता एवं गुणवत्ता के क्षेत्र में नए आयाम : स्पेशल पर्पस मशीन

हमारे नवाचार, दक्षता और गुणवत्ता के प्रति निरंतर समर्पण के तहत, इस वर्ष हमारे उत्पादन विभाग के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रही। जिसमें कई उच्च गुणवत्ता की आधुनिक मशीने सफलतापूर्वक स्थपित की गयी है। इन नई तकनीकों ने न केवल हमारे कार्य प्रवाह को अधिक सुव्यवस्थित किया है, बल्कि हमारी कुल उत्पादकता में भी उल्लेखनीय वृद्धि की है।

एक्सटेंशन ट्यूब एवं साइड ट्यूब ड्रिलिंग मशीन- इस वर्ष उत्पादन विभाग में दो उच्च तकनीकी की स्वचालित ड्रिलिंग मशीन भी स्थापित की गयी है। जो दिव्यांगजनों के सहयोगी उपकरण क्रच एक्सिला अडजस्टेबले के निर्माण में सहयोगी है।

पहले हमारे उत्पादन प्रक्रिया में ट्यूबस की ड्रिलिंग, मैन्युअल बेंच ड्रिलिंग मशीन की सहायता से की जाती थी। जिसमें एक कार्य दिवस में मात्र २३४ एक्सटेंशन ट्यूबस एवं २४५ साइड ट्यूबस की ड्रिलिंग ३ मशीनों की सहायता से की जाती थी। यह तरीका प्रभावी तो था, परन्तु इस कार्य में अत्यधिक समय और श्रम लगता था।

अब नयी तकनीकी की स्वचालित एक्सटेंशन ट्यूब ड्रिलिंग मशीन में एक कार्य दिवस में ७५० ट्यूबस की ड्रिलिंग मात्र १ मशीन से होती है। जिसके द्वारा मैन्युअल मशीन की तुलना में उत्पादन शक्ति में २२० प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

जब कि नयी तकनीकी की स्वचालित साइड ट्यूब ड्रिलिंग मशीन में एक कार्य दिवस में ६४२ साइड ट्यूबस की ड्रिलिंग मात्र १ मशीन से होती है। जिसके द्वारा मैन्युअल मशीनों की तुलना में उत्पादन शक्ति में १६२ प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

इस बदलाव ने हमारी संचालन दक्षता में सुधार किया है। जिससे समय और श्रम की खपत कम होती है। अपनी प्रक्रियाओं का आधुनिकीकरण करना, पर्यावरणीय प्रभाव को कम करना और अपने ग्राहकों को श्रेष्ठ मूल्य प्रदान करना है। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ते हैं, हम उन नवाचारों की खोज के लिए प्रतिबद्ध हैं जो हमारी उत्पादकता को सभी क्षेत्रों में और बेहतर बनाएं।

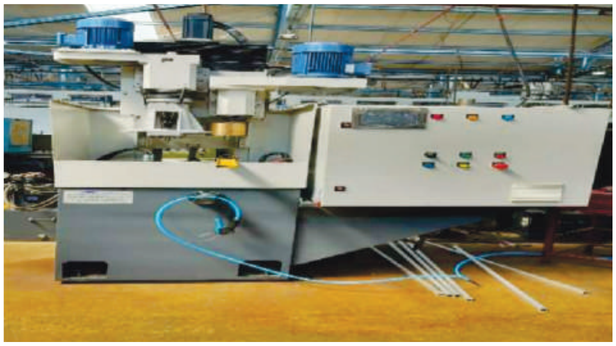

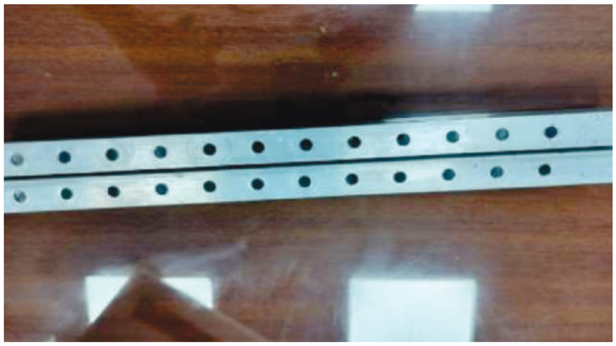

इंकजेट प्रिंटिंग और पैडप्रिंटिंग मशीने- पहले, हमारे उत्पादन प्रक्रिया में अवयवों पर स्टिकर मैन्युअल रूप से लगाया जाता था, यह तरीका प्रभावी तो था, परन्तु इस कार्य में अत्यधिक समय और श्रम लगता था।

अब इन मशीनों की नयी तकनीकी के साथ, स्टिकर लगाने की प्रक्रिया को पूरी तरह से समाप्त कर दिया है और उच्च गुणवत्ता वाली प्रिंटिंग अवयवों पर की जाती है, जिससे अवयव साफ-सुथरा और आकर्षक लगता है और यह स्टीकर की अपेक्षा में ज्यादा गुणवत्ता प्रदान करता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस बदलाव ने हमारी संचालन दक्षता में सुधार किया है।

अब एक कार्य दिवस में 5,000 अवयवों को प्रिंट करने में सक्षम हैं जबकि पूर्व में प्रति कामगार द्वारा मात्र 800 स्टीकर लगाने में ही सक्षम था जो कि हमारी पूर्व क्षमता की तुलना में एक बड़ा उछाल है।

स्वचालित प्रिंटिंग की ओर यह कदम केवल तकनीकी उन्नयन नहीं है; यह हमारी व्यापक सोच को दर्शाता है।

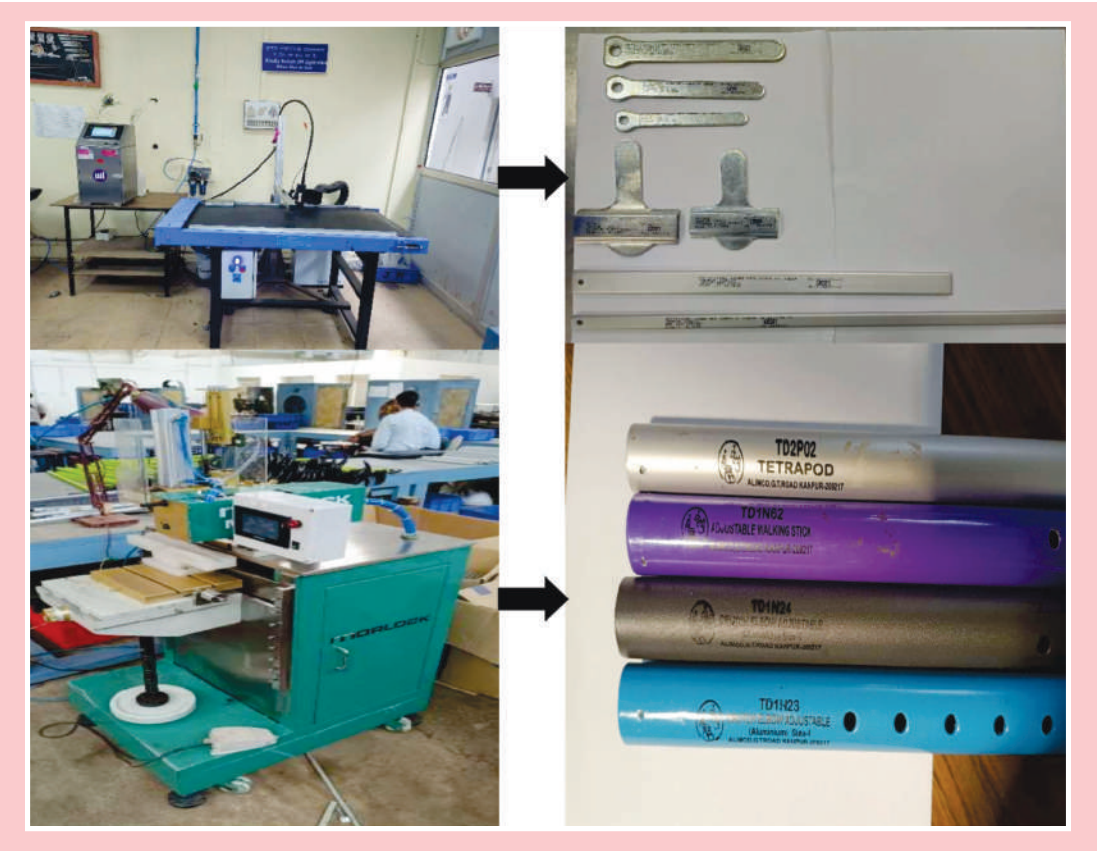

रविरंजन
प्रबंधक (उत्पादन एवं योजना)

महाकुंभ 2025 में एलिम्को की अभिनव पहल: सेवा और समर्पण का दिव्य संगम

प्रयागराज की पुण्य धरा पर जब गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम हुआ, तब उसी दिव्यता के मध्य कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) ने भी मानव सेवा की गंगा प्रवाहित की। महाकुंभ 2025 में एलिम्को द्वारा आयोजित समावेशी सेवाओं की श्रृंखला, ना केवल एक सहायतार्थ प्रयास थी, बल्कि यह समाज के उपेक्षित वर्गों– दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के प्रति आत्मीय समर्पण का अनुपम उदाहरण बन गई।

महाकुंभ-2025 मे निर्मित एलिम्को का पंडाल

सुलभता की साधना: जहां आस्था मिले आत्मनिर्भरता से-

स्नान घाटों की भीड़ हो या शिविरों का आयोजन, एलिम्को का उद्देश्य स्पष्ट था, हर दिव्यांग और वृद्ध नागरिक को महाकुंभ के पावन अवसर पर बिना किसी कठिनाई के भागीदारी का पूर्ण अधिकार मिले। इसी भावना के साथ, महाकुंभ परिसर में एक भव्य एलिम्को सेवा पंडाल स्थापित किया गया। महाकुंभ-2025 के महापर्व के उपरांत निगम द्वारा राष्ट्रीय वयोश्री योजना एवं एडीप योजना के तहत लगभग 33290 लाभार्थियों को 28 करोड़ से अधिक मूल्य के सहायक उपकरण प्रदान किये गए, जिनमे वरिष्ठ नागरिक लाभार्थियों की संख्या 25428 तथा दिव्यांगजन लाभार्थियों की संख्या 7862 रही।

सेवा के स्वरूप: उपकरण नहीं, आत्मबल का संचार: इस भव्य शिविर में व्हीलचेयर, वॉकर, श्रवण यंत्र, स्मार्ट केन, सीट कशन्स, ट्रायपॉड स्टिक्स जैसे अत्याधुनिक सहायक उपकरण वितरित किए गए। लेकिन एलिम्को की यह पहल केवल उपकरणों तक सीमित नहीं थी। यह आत्मनिर्भरता, गरिमा और सामाजिक समावेशन की पुनर्स्थापना का यज्ञ थी।

नेतृत्व में समर्पण: श्री प्रवीण कुमार की प्रेरणास्पद भूमिका

एलिम्को के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री प्रवीन कुमार स्वयं शिविर स्थल पर मौजूद रहे, और प्रत्येक व्यवस्था की बारीकी से निगरानी करते हुए यह सुनिश्चित किया कि कोई भी लाभार्थी उपेक्षित न रह जाए। उनका मार्गदर्शन इस संपूर्ण आयोजन की सफलता की आधारशिला बना।

भावना का उत्सव: जब सेवा बनी साधना

महाकुंभ-2025 मे एलिम्को का पंडाल न केवल तकनीकी उत्कृष्टता का परिचायक था, बल्कि एक भावनात्मक जुड़ाव भी उत्पन्न कर रहा था। हर लाभार्थी की मुस्कान में वह कृतज्ञता झलक रही थी, जो किसी संस्थान के लिए सबसे बड़ा पुरस्कार होती है। महाकुंभ जैसे विराट और धर्मसंकुल आयोजन में एलिम्को की यह पहल एक स्पष्ट संदेश देती है–आस्था की अनुभूति तभी पूर्ण होती है, जब उसमें हर वर्ग, हर व्यक्ति, हर जीवन को समान रूप से स्थान मिले। दिव्यांगजन और वरिष्ठ नागरिकों के चेहरों पर लौटी आत्मविश्वास की रौशनी ने इस संदेश को जीवंत कर दिया।

इस आयोजन के माध्यम से एलिम्को ने न केवल निगम द्वारा संचालित सेवाओं और निर्माण किये जाने वाले सहायक उपकरणों का प्रचार-प्रसार किया, बल्कि भारत सरकार की दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकों हेतु कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी आमजन तक पहुँचाई। "सुगम एवं समावेशी कुंभ" की भावना के साथ एलिम्को ने यह सुनिश्चित किया कि कोई भी श्रद्धालु केवल अपनी शारीरिक क्षमता के कारण इस धार्मिक अवसर से वंचित न रहे। एलिम्को की यह सहभागिता सामाजिक समावेशन की दिशा में एक सराहनीय पहल रही।

सुमित तिवारी
जनसम्पर्क अधिकारी
एलिम्को

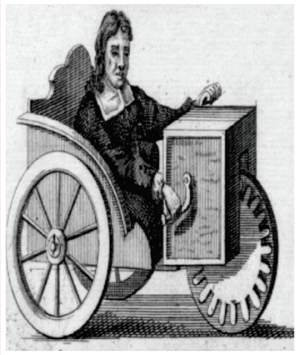

History and Origin of Wheelchair:

It is perhaps impossible to know who invented the first wheelchair and where. There is evidence in the form of art and writing that suggests that such devices were used by people in countries such as Greece and China early on. However, around the 5th century BC, Sanskrit grammarian Panini in India mentioned the Sanskrit word for wheelchair as parpa in his Ashtadhyayi. The first recorded wheelchair was apparently made in 1595 for King Philip II of Spain. Because the king suffered from gout towards the end of his life and needed mobility assistance, the device needed an attendant to assist him, as it was not a self-propelled wheelchair. Such wheelchair devices were used to transport disabled persons from ancient times to the 16th century, with Chinese art of this period depicting specialized wheelchairs. In the 17th century, German clockmaker Stefan Farfler invented the first self-propelled wheelchair in 1655, followed by Johann Hausch's rolling chair in 1663. In the 18th century, the Bath Chair designed by John Dasen became popular for transporting individuals to spa resorts. Wheelchairs began to appear in medical catalogues. More than 100 years later, wheelchairs needed to be upgraded. John Daser created a wheelchair with three wheels: two at the back and one at the front. He named it after his city of residence, Bath. This chair was self-propelled, and had a steering aid at the front for when the person using it needed assistance. It could also be adjusted for use with a horse or pony if necessary. The Bath Chair needed improvement. It was popular among those who could afford it, but it was not comfortable. It was made of various materials for comfort and was even Queen Victoria's favorite wheelchair. In the 1860, however, wheelchairs resembling modern versions began to appear. They had four wheels instead of three, and the wheels were made of rubber, similar to bicycle wheels. Many advancements were made to wheelchairs in the 1900. The first motorized wheelchair appeared in 1912, although it was not like the motorized wheelchairs of today. The first folding wheelchair appeared shortly after in 1932. This gave people with disabilities more flexibility with their chairs than ever before. The 1950 saw the introduction of mass-produced motorized chairs that made life even more accessible. In the 1950, sports wheelchairs became commonly used and manufactured, allowing their users to further assist them in their athletic endeavors. Today wheelchairs are advanced and incredible; wheelchairs are available for all terrains and weather conditions. Motorized chairs and scooters provide greater independence for a wide range of people. New improvements are constantly being made to help improve the quality of life for people with disabilities. While early wheelchairs required attendants, modern wheelchairs have gone through many changes over the years, and with technology changing at a rapid pace, who knows where it will progress in the years to come.

Mahesh Singh

Assistant Manager (P&A)

Honoring the Legacy – Dr. Ram Bux Singh

It is a matter of immense pride and honor for me to share two significant recognitions recently accorded to my late grandfather, Dr. Ram Bux Singh, a globally renowned pioneer in the field of biogas and renewable energy.

1. **Commemorative Postage Stamp (2025):**

   In recognition of his groundbreaking contributions not only in India but also across more than 15 countries including the USA and Denmark, the Government of India has approved the release of a commemorative postage stamp in his honor. This decision was officially approved by the Philatelic Advisory Committee on 26 November 2024, and the release is scheduled for 13 August 2025, marking his birth centenary.

2. **National Archives of India Acquisition (2023):**

   On 26 September 2023, the National Archives of India, under the Ministry of Culture, Government of India, formally acquired his valuable collection of research and international consultancy work. This rare honor ensures that his pioneering legacy in renewable energy — both in India and internationally — will be preserved for future generations as a part of the nation's permanent heritage.

These recognitions serve not only as a tribute to Dr. Singh's lifelong dedication to sustainable development but also as an enduring source of inspiration for our family and for all those working in the field of clean energy.

Surendra Singh
Jr. Manager (Marketing),
ALIMCO, Kanpur

OUR CSR PARTNER's

A preferred CSR implementing agency

ALIMCOs CSR INITIATIVES

ALIMCO has joined hands with more than 50 CPSUs including NTPC Ltd, APCPL, Rural Electrification Corporation Ltd, Power Grid Corporation Ltd., GAIL (India) Ltd, Bharat Petroleum Corporation Ltd, Indian Oil Corporation Ltd, ONGC Ltd, Airports Authority of India, Indian Railway Finance Corporation, Engineers India Ltd, The New India Assurance Co. Ltd., Northern Coalfields Ltd, Central Coalfields Ltd, etc. to organize Assessment and Distribution Camps to provide Aids & Assistive devices to 3.21 Lakh beneficiaries throughout India under their CSR programme during since 2011.

- ALIMCO is a Central PSU under the administrative control of Ministry of Social Justice & Empowerment, Government of India.
- Only Manufacturing Corporation, registered under Section 8 of the Companies Act 2013 as "Not For Profit Motive" Company and has the mandate to undertake CSR activities as per the notified Companies Act 2013.
- Catering to the poorest of poor population/vulnerable section of the society mandated under list of CSR activities under Schedule VII (i) under 'promoting health care including preventive health care' of the Companies Act, 2013.
- All the CSR activities are undertaken in Project Mode.
- All CSR Projects are carried out as per "Assistance to Disabled Persons Scheme (ADIP)" issued by Ministry of Social Justice & Empowerment, Government of India.
- Transparency is ensured by involving District Administration Officials during both assessment and distribution.
- ALIMCO ensures brand Visibility, Community Goodwill Branding Opportunities.

Weaving the Guinness Magic

Largest Parade of hand operated Tricycle (300 Nos.) covering 1.8 Km succeeding the previous record made in UAE with 250 Tricycle parade covering 1.6 Km.

Largest moving line of wheel chairs (400 Nos.).

The most number of hand operated tricycles, 626, was achieved at Prayagraj, Uttar Pradesh, India, on 29 February 2020.

Most Oil Lamps Lit Simultaneously at Single Venue at Navsari. Gujarat 16th Sept, 2016 (989 Oil lamps Lit).

Most People Fitted with Hearing Aid in 8 Hours at Navsari, India on 17th Sept, 2016.

Most People Fitted with Hearing Aid in 8 Hours at Imphal, Manipur on 05 Nov, 2016 (3911 NOB).

Largest Wheelchair Logo/ Image at Navsari, Gujarat on 17th Sept, 2016 (1000 Wheelchairs).

Most people fitted with orthotic calipers in 8 hours in Rajkot, Gujarat, India on 29 June 2017.

The Most people fitted with Prosthetic Limbs in 08 Hours (Single Venue) - 260 NOB in Bharuch, Gujarat on 28th Feb, 2019.

एक बहती नदी जैसी जीवन यात्रा

सरिता द्विवेदी जहाँ इच्छाशक्ति हो, वहाँ रास्ते खुद बनते हैं।

कभी–कभी जीवन की सबसे कठिन घटनाएँ ही हमें हमारे सबसे महान स्वरूप तक पहुँचाती हैं। सरिता द्विवेदी की कहानी भी कुछ ऐसी ही है दर्द से प्रेरणा तक संघर्ष से सफलता तक और साधारण सी जिंदगी से असाधारण मुकाम तक की।

'मेरा नाम सरिता है, और जैसे नदी कभी थमती नहीं, वैसे ही मैं भी जीवन में बहती रहती हूँ। अपने नाम के अर्थ को सत्यार्थ कर्ता ये आत्मपरिचय है। हमारी सरिता का परिचय की तरह ही उनकी बातों में एक सादगी है, पर उनके व्यक्तित्व में असीम साहस और आत्मविश्वास की झलक है।

सरिता द्विवेदी एक कलाकार हैं, फोटोग्राफर हैं, आभूषण निर्माता हैं, विद्युत झटके से जीवित बची महिला हैं, अनुशासित सैनिक की बेटी हैं, केंद्रीय विद्यालय की पूर्व छात्रा हैं, और एक मेहनती कर्मचारी हैं। अब तक वे चार राष्ट्रीय और एक अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित हो चुकी हैं।

सरिता द्विवेदी की कहानी आम नहीं है। यह उस जज्बे की कहानी है जो हर तूफान को पार कर जाती है, जो हालातों के आगे घुटने नहीं टेकती, बल्कि उन्हें चुनौती देती है। मात्र चार वर्ष की आयु में, जब बच्चे बेफिक्र होकर खेलते हैं, सरिता एक दर्दनाक हादसे का शिकार हो गईं। 10 अगस्त, 1995 को, रक्षाबंधन के दिन अपने चाचा के घर की छत पर खेलते समय, एक 11000 वोल्ट की विद्युत लाइन उन पर गिर पड़ी। यह हादसा इतना गंभीर था कि उन्होंने अपने दोनों हाथ और दाहिने पैर का आधा हिस्सा खो दिया ।

सरिता ने कभी हार नहीं मानी। उन्होंने इस घटना को अपने जीवन का अंत नहीं, बल्कि एक नए जीवन की शुरुआत माना। आज वे न केवल आत्मनिर्भर हैं, बल्कि अपने पैरों और मुँह की सहायता से खाना, लिखना, चित्र बनाना, खाना पकाना, और अपनी दिनचर्या के सभी कार्य करती हैं। जब मन हो, तो वे अपने कृत्रिम पैर के सहारे चलती हैं।

सरिता ने कभी खुद को विशेष मानकर अलग नहीं किया। वे हमेशा सामान्य विद्यालयों में सामान्य छात्रों के साथ पढ़ीं, बिना किसी विशेष सहूलियत के। इस मार्ग में कई चुनौतियाँ आईं – कई स्कूलों ने उन्हें दाखिला देने से मना कर दिया, और विशेष विद्यालय में भेजने की सलाह दी। लेकिन उनके माता–पिता विशेष रूप से उनकी माँ ने हार नहीं मानी। उनकी माँ की हिम्मत और विश्वास ने उन्हें 'आशा विद्यालय' नहीं, बल्कि केंद्रीय विद्यालय (प्रयागराज) तक पहुँचाया, जहाँ से उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी की। सरिता ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से ललित कला में स्नातक किया है और कला को अपना जुनून बनाया है।

सरित द्विवेदी जनवरी 2015 में निगम में रिसेप्शनिस्ट के रूप में शामिल हुए और उसके बाद अपनी कर्मठता और कर्तव्य निष्ठा से आगे ही बढ़ती रही। उनकी लगन और कार्य के प्रति समर्पण को ही देखते हुए वरिष्ठ प्रबंधन ने उन्हें हाउसकीपिंग और बागवानी की जिम्मेदारी दी जिसका वह बहुत सफलतापूर्वक निर्वाहन कर रही है इसके साथ साथ वो अतिथि सत्कार और कॉल सेंटर के पर्यवेक्षण जैसे कार्यों को भी संभालती हैं। साथ ही, वे 'दिव्यांगजन' को भारत सरकार की प्रमुख योजनाओं 'ADIP' और राष्ट्रीयवयोश्री योजना के लाभ दिलवाने में मदद करती हैं।

सरिता को सरल जीवन पसंद है वे नए मित्र बनाने में सहज हैं, और हर उस व्यक्ति की मदद करती हैं जो उनकी तरह जीवन में सकारात्मकता की तलाश में है खासकर सोशल मीडिया के माध्यम से उन्हें चित्रकला, बौद्धिक चर्चा, नई चीजें सीखना, भारतीय संस्कृति, पारंपरिक पोशाकें, मूर्तिकला, खाना, और बच्चों को कला सिखाना बेहद पसंद है वे मानवाधिकारों की मजबूत समर्थक हैं फिर चाहे वह कोईसामान्य व्यक्ति हो या दिव्यांग।

उनके जीवन की असली शक्ति उनके परिवार से आती है– उनके माँ, पापा, दो बड़ी बहनें और एक छोटा भाई। उनके पिता एक पूर्व सैन्य सैनिक हैं और माँ एक गृहिणी सरिता अपनी माँ को न केवल अपनी

प्रेरणा मानती हैं, बल्कि अपनी सबसे अच्छी दोस्त भी वे कहती हैं "माँ जैसी मजबूत, फिर भी कोमल और प्यार से भरी महिला मैंने आज तक नहीं देखी।"

एक कलाकार के तौर पर उपलब्धिया – सरिता को उनके साहसिक जज्बे और कला में उल्लेखनीय योगदान के लिए कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है –

1. राष्ट्रीय बाल श्री सम्मान (2005) – क्रिएटिव आर्ट्स के लिए यह सम्मान भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. अब्दुल कलाम द्वारा राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में प्रदान किया गया।

2. दिव्यांगजन सशक्तिकरण पुरस्कार (2008) – सर्वश्रेष्ठ रचनात्मक बाल कलाकार के रूप में यह सम्मान तत्कालीन उपराष्ट्रपति श्री हामिद अंसारी द्वारा विज्ञान भवन, नई दिल्ली में दिया गया।

3. अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार (2009) – मिस्र विषय पर आधारित कला प्रतियोगिता में रजत पदक प्राप्त किया, जो मिस्र के संस्कृति मंत्रालय एवं दूतावास द्वारा प्रदान किया गया।

4. गॉडफ्रे फिलिप्स नेशनल ब्रेवरी अवॉर्ड (2010) – माइंड ऑफ स्टील (गर्ल) के रूप में उन्हें यह सम्मान डॉ. फारूक अब्दुल्ला एवं न्यायमूर्ति लीला सेठ द्वारा ताज पैलेस, नई दिल्ली में प्रदान किया गया।

5. इन्होंने कई राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और जोनल स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अनगिनत पुरस्कार जीते हैं।

6. भारतीय रिकॉर्ड्स (www-rhrindianrecords.com) में भी इनका नाम दर्ज है।

7. खास बात यह है कि सरिता की प्रेरक जीवन यात्रा को एनसीईआरटी की कक्षा 6 की हिंदी पाठ्यपुस्तक में भी एक अध्याय के रूप में शामिल किया गया है।

सरिता की उपलब्धियाँ न केवल उनके व्यक्तिगत जीवन की जीत हैं, बल्कि हम सभी के लिए एक प्रेरणा हैं। उनकी कहानी हमें यह सिखाती है कि अगर हौसला बुलंद हो, तो कोई भी बाधा हमें आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती।

हमें गर्व है कि सरिता हमारे साथ जुड़ी हैं उनके अनुभव और ऊर्जा से हम सभी को निरंतर प्रेरणा मिलती है।

कलाकार से अंतरराष्ट्रीय बोशिया चौंपियन बनने तक सरिता द्विवेदी की असाधारण खेल यात्रा एक प्रतिभाशाली कलाकार के रूप में पहचानी जाने वाली सरिता की खेल यात्रा की शुरुआत जनवरी 2024 में गोवा में आयोजित इंटरनेशनल पर्पल फेस्ट के दौरान हुई जहां उन्हें निगम की तरफ से ब्रांड एम्बेसडर के तौर पर भेजा गया था । जहां पर विकलांगों के लिए विभिन्न प्रकार के खेलों का आयोजन होता है वहाँ एक राज्य स्तरीयबोशिया टूर्नामेंटमे बिना किसी पूर्व खेल अनुभव के सरिता ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया और अपनी मेहनत और लगन से स्वर्ण पदक जीत लिया। यह उनकी खेल यात्रा की पहली सीढ़ी थी, जिसने उन्हें एक नए सपने की ओरप्रेरित किया।

इस पहली जीत के बाद निगम/प्रबंधन ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित एंव सहयोग किया। फरवरी 2024 में आयोजित 8वीं बोशिया सब–जूनियर एवं सीनियर राष्ट्रीय चौंपियनशिप (2023–24) में उन्होंने भाग लिया और BC–3 व्यक्तिगत श्रेणी में रजत पदक जीतकर देश एंव निगम का गौरव बढ़ाया। यह जीत उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तरपर भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर दिलाने वाली थी।

निगम ने जुलाई 2024 में सरिता को काहिरा, मिस्र में आयोजित वर्ल्ड बोशिया चौलेंजर में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रयोजित किया एंव सरिता द्विवेदी जिनकी यह पहली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता थी, जिसमें उन्होंने BC–3 व्यक्तिगत और जोड़ी स्पर्धा – दोनों में भाग लिया। इस प्रतियोगिता में उन्होंने इतिहास रच दिया BC–3 व्यक्तिगत श्रेणी में कांस्य पदक जीतकर वह इस श्रेणी में भारत की पहली पदक विजेता बनीं। इसके साथ ही BC–3 जोड़ी स्पर्धा में भी कांस्य पदक जीतकर उन्होंने भारत को एक और ऐतिहासिक उपलब्धि दिलाई। यह निगम के लिए एक गर्व पूर्ण क्षण था।

इस उपलब्धि को ध्यान में रखते हुए निगम ने जनवरी 2025 में उन्हें 9वीं राष्ट्रीय चौंपियनशिप (2024–25) विशाखापट्नम, आंध्र प्रदेश में भाग लेने के लिए प्रेरित एंव प्रयोजित किया। पैरा ओलंपिक कमेटी ऑफ इंडिया और BSFI द्वारा आयोजित इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में उन्होंने दो रजत पदक BC–3 व्यक्तिगत महिला श्रेणी और BC–3 जोड़ी स्पर्धा (अपने प्रतिभाशाली साथी श्री सचिन चामरिया के साथ) में जीतकर अपनी निरंतरता और प्रतिबद्धता को सिद्ध किया।

सरिता की यात्रा, केवल पदकों की नहीं है – यह संघर्ष, साहस, समर्पण और आत्मबल की कहानी है। एक कलाकार से अंतरराष्ट्रीय चौंपियन बनने तक की उनकी यह यात्रा यह साबित करती है कि जब आत्मा मजबूत हो, तो कोई भी सीमा बाधा नहीं बन सकती ।

आज सरिता न केवल एक प्रेरणा हैं, बल्कि वह भारत की उन आवाजों में से एक हैं जो यह बताती हैं– कि एक सपना देखने के लिए केवल आँखें ही नहीं, बल्कि विश्वास और जिद की जरूरत होती है। यदि मन में विश्वास हो और हौसला अटूट हो, तो कोई भी बाधा बड़ी नहीं होती ।

एलिम्को में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की झलकियां

एलिम्को का 76वां गणतंत्र दिवस

निगम में 76वां गणतंत्र दिवस बड़े जोश और गर्व के साथ मनाया गया। इस विशेष अवसर पर निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री प्रवीण कुमार द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में ध्वजारोहण किया और सभी को संबोधित करते हुए कहा की यह दिन न केवल हमारे गणतंत्र की भावना का जश्न है बल्कि देश की प्रगति मे निगम की प्रतिबद्धता और समावेशी समाज के ध्येय का प्रतीक भी है।

कार्यक्रम में श्री अतुल रुस्तगी, महाप्रबंधक, वित्त और प्रशासन, श्री अजय चौधरी, महाप्रबंधक / प्रभारी (विपणन), श्री विवेक द्विवेदी, महाप्रबंधक/प्रभारी (उत्पादन और सामग्री प्रबंधन) अन्य वरिष्ठ अधिकारियों सहित उपस्थित रहे।

इस अवसर को और भी खास बनाया अप्रेंटिस प्रशिक्षुओं, कर्मचारियों और उनके परिवार के होनहार बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने जिसमे नृत्य, कविताओं और गीतों की शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय श्री प्रवीण कुमार द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रोसाहित करते हुए उपहार प्रदान किये।

भारतीय संविधान की महानता, लोकतंत्र की अजेयता एवं देश की एकता और अखंडता को समर्पित 76वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी कर्मचारियों एवं देशवासियों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं!
जय हिंद!

महिला दिवस 2025

एलिम्को में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 हर्षोल्लास से मनाया गया, जिसमें निगम की महिला सहकर्मियों के योगदान और उनकी उपलब्धियों के लिए उन्हे सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री अतुल रुस्तगी, महाप्रबंधक (वित्त एवं प्रशासन) ने की, जिन्होंने संगठन की प्रगति में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और एक समावेशी कार्यस्थल के प्रति एलिम्को की प्रतिबद्धता को दोहराया।

कार्यक्रम में श्री मनोज त्रिपाठी, उप-महाप्रबंधक (वित्त) तथा श्री अनुपम प्रकाश, वरिष्ठ प्रबंधक (विपणन) भी उपस्थित रहे और निगम की उन्नति में महिलाओं की महती भूमिका के प्रति अपना आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर महिला कर्मियों के प्रेरणादायक अनुभवों को साझा किया गया साथ ही कविता पाठ, क्विज़ प्रतियोगिता और विशेष सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। समारोह मे श्रीमती विभा फौजदार, उप-प्रबंधक (श्रवण यंत्र विभाग), श्रीमती सपना सिंह, सहायक प्रबंधक, सहित निगम के विभिन्न विभागों में कार्यरत सभी महिला सहकर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया।

अन्तर्राष्ट्रीय योगा दिवस

अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस

CONTRIBUTION AND ACHIEVEMENTS OF THE CORPORATION IN OTHER PROGRAMMES

OPAI MIDCON-2025

ALIMCO participated in OPAI MIDCON-2025, a premier conference of Prosthetics & Orthotics professionals at AMTZ, Visakhapatnam. Shri Ajay Chaudhary, GM I/c (Marketing), ALIMCO, addressed the distinguished audience, presenting a clear and visionary roadmap for the corporation while engaging with industry experts and stakeholders.

A key highlight of the event was the unveiling of the OPAI Souvenir and the First Draft of Standards for Prosthetics and Orthotics in India, in presence of the President of OPAI and other dignitaries.

The stall of ALIMCO was also setup during the MIDCON that reinforces ALIMCO's commitment to innovation, collaboration, and excellence in assistive technology for Persons with Disabilities.

Surajkund International Craft Mela 2025

Shri Rajesh Aggarwal, Secretary, Department of Empowerment of Persons with Disabilities, MSJE, visited the stalls set up by the department in association with ALIMCO at the 38th Surajkund International Craft Mela 2025. He appreciated the vibrant display of craftsmanship and entrepreneurial skills showcased by Divyangjan.

Shri Aggarwal also witness the spellbound dance performance by 'We are One' troupe, a pool of talented differently abled boys and girls.

A dedicated section of stalls from 1206 to 1220 has been set up promoting awareness about various schemes and initiatives of the Central Government for Divyangjan.
Smt. Richa Shankar, DDG, DEPwD, Shri Praveen Kumar, CMD, ALIMCO and Shri Ajay Chaudhry, GM (I/c) Marketing were also present on the ocassion.

सूरजकुंड मेला 2025: रचनात्मकता, कलात्मकता व समावेशिता का अद्भुत संगम Department of Empowerment of Persons with Disabilities, MSJE द्वारा समावेशिता और संवेदीकरण को नई ऊंचाइयां देने के लिए विभाग के राष्ट्रीय संस्थानों और संगठनों के सहयोग से विभिन्न अनूठे स्टॉल्स लगाए गए हैं, जो न केवल हुनर और कौशल का प्रदर्शन कर रहे हैं बल्कि एक समावेशी समाज की झलक भी पेश कर रहे हैं। यह आयोजन कला, संस्कृति सशक्तिकरण और समावेशिता का जीवंत प्रतीक है।

AAI in collaboration with ALIMCO

Airports Authority of India (AAI) continues its dedicated mission to uplift and empower Divyangjan under its Corporate Social Responsibility (CSR) initiatives. Taking a significant step toward inclusion and accessibility, AAI in collaboration with ALIMCO, is distributing assistive devices worth ₹71 lakh at special camps in Baghpat (Uttar Pradesh) and Srikakulam (A.P).

This initiative was spearheaded by Shri Vipin Kumar (IAS), Chairman, AAI, who led the distribution drive at Baraut, Baghpat, on 16th February 2025. AAI aims to create a more inclusive society, ensuring that Divyangjan have the necessary support to lead a self-reliant and dignified life.

Bhumi Pujan ceremony for ALIMCO AAPC at PurbaLaxmibill

Today, in a significant step towards strengthening accessibility in the North-East region, Hon'ble Chief Minister of Tripura, Prof. (Dr.) Manik Saha, along with Union MoS for Social Justice & Empowerment, Shri B. L. Verma, laid the foundation stone and performed the Bhumi Pujan ceremony for ALIMCO's first Auxiliary Production Centre (AAPC) at PurbaLaxmibill, Sepahijala District, Tripura.

The event was attended by Shri Tinku Roy, Hon'ble Minister of Social Welfare, Government of Tripura, Shri Biplab Deb, Hon'ble MP, West Tripura Shri Sushanta Deb, Hon'ble MLA, Bishalgarh, along with senior officials from DEPwD (GOI), State Social Welfare Department and district administration.

This state-of-the-art facility will enhance the manufacturing and ensuring faster service delivery of assistive devices for Persons with Disabilities (PwDs)and Senior Citizens, in the NE region. The initiative is a crucial step towards creating employment opportunities, improving accessibility, and strengthening support systems for Divyangjan in the North-East.

Shri Praveen Kumar, CMD, ALIMCO, Dr. Siddharth Shiv Jaiswal, DM. & Collector, Sepahijala, Shri T.K. Das, Director, Social Welfare & Social Education, Shri A. K Pandey, Deputy Secretary, DEPwD, Government of India, Shri Namit Pathak, SP, Sepahijala, along with senior officers from the Social Welfare Department of Tripura and the District Administration of Sepahijala were present on the occasion.

A Mega Distribution Camp under the ADIP Scheme in District Rajkot

A Mega Distribution Camp under the ADIP Scheme of government of India was organized in District Rajkot, Gujarat, aimed at empowering Divyangjan by providing them with assistive aids and appliances to enhance their mobility and independence.

The event was graced by Sh. ParshottamRupala, Hon'ble MP, Rajkot City as the Chief Guest, in the presence of Sh. RambhaiMokariya, Hon'ble MP, Rajya Sabha, Smt. NayanabenPedhadiya, Hon'ble Mayor, Rajkot, Smt. Pravinaben Rangani, President, Hon'ble Jila Panchayat Rajkot, Sh. Rajesh Aggarwal, Secretary, DEPwD, Govt. of India, District Collector, Rajkot, and other esteemed dignitaries.

A total of 1,413 beneficiaries received assistive aids and appliances worth ₹1.70 Crores. The camp organized by ALIMCO in association with District Administration, Rajkot reinforces government’s commitment to building an inclusive society where every individual has the opportunity to lead a dignified and independent life.

MoU with TATA Steel

A New Milestone in Empowering Divyangjan& Senior Citizens.

Taking a significant leap towards accessibility & inclusion, ALIMCO has signed an MoU with TATA Steel Foundation to establish a Pradhan Mantri Divyasha Kendra (PMDK) at Sabal Kendra, Jamshedpur.

The MoU was signed by Shri Ajay Chaudhary, GM (I/c) Marketing, ALIMCO and Shri Sourav Roy, CEO, TATA Steel Foundation in the esteemed presence of Shri Praveen Kumar, CMD, ALIMCO and Captain Amitabh, Head Skill Development, TATA Steel Foundation.

This collaboration is a step towards inclusion by bringing aids & assistive devices closer to those in need, ensuring that Divyangjan and senior citizens receive timely support at their doorstep.

ALIMCO participated in the 16th International Conference

ALIMCO participated in the 16th International Conference on Advancement in Petrochemical Sector & Empowering Sustainable Development Leading to Vikshit Bharat, held at CIPET, Lucknow, from 8th to 10th March 2025.

The inaugural session of this prestigious event was virtually addressed by Shri J.P. Nadda, Hon'ble Union Minister for Health & Family Welfare and Chemicals & Fertilizers, and Smt. Anupriya Patel, Hon'ble Union Minister of State for Health & Family Welfare and Chemicals & Fertilizers.

ALIMCO through its stall display the assistive products manufacture by the corporation and to explore potential collaborations with industry leaders andinnovators in petrochemical products, polymers, and sustainability, focusing on advancements in assistive technology in driving inclusive growth and empowerment for Divyangjan and Senior Citizens.

राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह

आज एलिम्को में राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह (4-10 मार्च) के अंतर्गत "सुरक्षा और स्वास्थ्य - विकसित भारत के लिए अत्यावश्यक" थीम पर आयोजित विशेष जागरूकता अभियान का समापन सत्र संपन्न हुआ। इस अवसर पर समापन समारोह के मुख्य अतिथि श्री विवेक द्विवेदी, प्रभारी महाप्रबंधक (उत्पादन एवं सामग्री प्रबंधन), एलिम्को ने कार्यस्थल पर सुरक्षा और स्वास्थ्य के महत्व पर बल दिया। श्री द्विवेदी ने औद्योगिक सुरक्षा को संगठन की प्राथमिक जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि सुरक्षा केवल नियमों तक सीमित न रहकर, कार्य संस्कृति का अभिन्न हिस्सा बननी चाहिए।

सप्ताह भर चले इस अभियान में सुरक्षा शपथ, औद्योगिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य से जुड़े प्रशिक्षण सत्र, मॉक ड्रिल, क्विज़ प्रतियोगिता एवं सुरक्षा जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की गईं। कर्मचारियों को कार्यस्थल पर सुरक्षित कार्य प्रणाली अपनाने और आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की दक्षता विकसित करने हेतु प्रेरित किया गया।

समापन समारोह मे सुरक्षा व सतर्कता मे उल्लेखनीय कार्य करने वाले एंव राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह के उपरांत आयोजित प्रतियोगिता के विजेता कर्मचारीगण को सम्मानित किया गया।

एलिम्को के अग्नि सुरक्षा अधिकारी श्री कुंवर सिंह ने उपस्थित सभी को राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह से संबंधित विस्तृत जानकारी साझा की, इस अवसर पर निगम के समस्त विभागों के अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

Chintan Shivir

Hon'ble Union Minister Dr. Virendra Kumar visited ALIMCO's exhibition during the two-day 'Chintan Shivir' organized by Ministry of Social Justice and Empowerment, Government of India in Dehradun, Uttarakhand today.

CMD ALIMCO Shri Praveen Kumar showcased the corporation's innovative assistive technology solutions, developed and manufactured to empower persons with disabilities and promote inclusivity.

ISO 9001:2015

राष्ट्रीय समीक्षा सम्मेलन

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के साथ दो दिवसीय राष्ट्रीय समीक्षा सम्मेलन की दो दिवसीय बैठक हेतु आज जब उत्तराखंड की राजधानी देहरादून स्थित सॉलिटेयर फार्म, मसूरी रोड सालन गाँव पहुंचा तो विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एलिम्को के अधिकारियों ने स्वागत किया।

समारोह स्थल में एडिप योजना के अंतर्गत वितरित किए जाने वाले नवीनतम कृत्रिम अंगों एवं सहायक यंत्रों का भी अवलोकन किया।

इस अवसर पर मेरे साथ सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी और एलिम्को के अधिकारी भी मौजूद रहे।

AW&EIL में CSR पहल के अंतर्गत आयोजित वितरण शिविर

एडवांस्ड वेपन्स एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड (AW&EIL) द्वारा एलिम्को (ALIMCO) के तकनीकी सहयोग से कानपुर में दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों के लिए सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। AW&EIL - Advanced Weapons and Equipment India Limited (AW&EIL) की CSR पहल के अंतर्गत आयोजित वितरण शिविर में 40 लाभार्थियों को सहायक उपकरण प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री उमेश सिंह, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, AW&EIL रहे। इस अवसर पर श्री ए. के. मौर्य, निदेशक (परिचालन), श्री जय गोपाल महाजन, निदेशक (वित्त), AW&EIL तथा एलिम्को से श्री अजय चौधरी, प्रभारी महाप्रबंधक (विपणन) व श्री अनुपम प्रकाश, वरिष्ठ प्रबंधक (विपणन) सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

AW&EIL की इस पहल से समाज के अल्प आय और वंचित दिव्यांगजन तथा वरिष्ठ नागरिकों वर्गों को आत्मनिर्भर व सशक्तिकरण बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

निगम के दो वरिष्ठ कर्मचारियों का परिचय

श्री विजय शंकर सैनी का जीवन परिचय

श्री विजय शंकर सैनी का जन्म 13 फरवरी 1966 को ग्राम गुलाल खेड़ा, पोस्ट तेजगाँव, थाना – सरेनी रेलवे स्टेशन लालगंज, जिला रायबरेली (उत्तर प्रदेश) में हुआ। इनके पिता का नाम श्री राज नारायण है। विजय शंकर का जीवन सरल, संघर्षपूर्ण और प्रेरणादायक रहा है।

उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा 14 मई 1992 को आर्य विद्यापीठ जूनियर हाई स्कूल से प्राप्त की। शिक्षा के दौरान उन्होंने हमेशा मेहनत और लगन से अपने कार्यों को किया, जिससे उनके जीवन में आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त हुआ।

श्री विजय शंकर सैनी की व्यक्तिगत जीवन में पत्नी सुशीला देवी और दो बच्चे पवन कुमार व शैलेन्द्र कुमार हैं। वे अपने परिवार के साथ सुखी और सामंजस्य पूर्ण जीवन जीते हैं।

श्री विजय शंकर सैनी ने 17 जून 1987 को एलिम्को (ALIMCO) में अस्थायी अर्द्धकुशल कर्मचारी के पद पर नौकरी की शुरुआत की। एक वर्ष बाद दिनांक 17.06.1988 से श्री विजय शंकर सैनी स्थायी अकुशल श्रमिक के रूप में नियुक्त हुए। दिनांक 07.07.1990 को उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई जिसका नाम शैलेन्द्र सैनी रखा गया। फिर दिनांक 08.03.1992 को उन्हें पुन: पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई जिसका नाम पवन सैनी रखा गया तत्पश्चात् दिनांक 29.06.1994 को उन्हें फिर पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई जिसका नाम संदीप सैनी रखा गया।

दिनांक 01.06.1997 को श्री विजय शंकर की अकुशल श्रमिक सेलेक्शन ग्रेड पर पदोन्नति हुई एवं दिनांक 01.08.2000 को अकुशल श्रमिक सेलेक्शन ग्रेड से बदल कर मशीनिस्ट ग्रेड III में पदोन्नति हुई। इसके पश्चात् दिनांक 01.06.2006 को मशीनिस्ट ग्रुप 'सी' में पदोन्नति व दिनांक 01.06.2011 में मशीनिस्ट ग्रुप 'डी' में पदोन्नति हुई इसके उपरान्त दिनांक 01.06.2012 में मशीनिस्ट ग्रुप 'डी' से मशीनिस्ट ग्रुप 'ई' में पदोन्नति हुई।

उन्होंने अपने कार्य के प्रति निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी से काम किया और आज तक एलिम्को में कार्यरत हैं। उनका समर्पण और कार्य क्षमता उन्हें उनके पेशेवर जीवन में सफल बनाती है।

श्री विजय शंकर सैनी का जीवन एक प्रेरणा है, जो यह दिखाता है कि सच्ची मेहनत, निष्ठा और समर्पण से किसी भी कठिनाई को पार किया जा सकता है। उनके कार्य और जीवन के प्रति दृष्टिकोण न केवल उनके परिवार बल्कि समाज के लिए भी एक आदर्श बने हुए हैं।

श्री दीपक कुमार का जीवन परिचय

श्री दीपक कुमार का जन्म 30 जून 1970 को ग्राम तिलौरा, पोस्ट पाली, तहसील – सदर रेलवे स्टेशन सहजनवा, जिला गोरखपुर, उत्तर प्रदेश में एक साधारण परिवार में हुआ। इनके पिता का नाम श्री बी.एल. दुबे है। श्री दीपक कुमार ने प्रारंभिक शिक्षा गांव के ही विद्यालय से प्राप्त की एवं इसके पश्चात् उन्होंने सन् 1986 में छितौनी इण्टर कॉलेज, देवरिया से हाईस्कूल व सन् 1988 में इण्टरमीडिएट की शिक्षा प्राप्त की तत्पश्चात् उन्होंने सन् 1989 में हिंदी स्टेनोग्राफी की शिक्षा आई.टी.आई. गोरखपुर से प्राप्त की।

श्री दीपक कुमार ने शिक्षा की राह कभी नहीं छोड़ी और नौकरी के साथ-साथ अपने ज्ञान को बढ़ाने के लिए सदैव तत्पर रहे।

दिनांक 30 मार्च 1990 को उन्होंने एलिम्को (ALIMCO) में अकुशल श्रमिक के पद पर कार्य ग्रहण किया और अपनी कड़ी मेहनत, समर्पण से निगम में अपनी पहचान बनाई और लगातार अपने कार्यक्षेत्र में तरक्की करते गए वर्तमान में भी वह एलिम्को में कार्यरत हैं और निगम में अपनी भूमिका निभा रहे हैं।

श्री दीपक कुमार का जीवन संघर्ष और समर्पण का प्रतीक है। वे यह दर्शाते हैं कि सही दिशा में कठोर मेहनत और लगन से किसी भी व्यक्ति को सफलता मिल सकती है, चाहे वह किसी भी पृष्ठभूमि से आता हो। उनकी यात्रा हमें सिखाती है कि जीवन में कठिनाइयां आती हैं, लेकिन यदि आत्मविश्वास और मेहनत हो तो किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

श्री दीपक कुमार ने एक साधारण परिवार से शुरुआत की, लेकिन अपनी शिक्षा और नौकरी के माध्यम से अपने जीवन में उच्च लक्ष्यों को प्राप्त किया। उनका जीवन यह दिखाता है कि न केवल शिक्षा, बल्कि निरंतर प्रयास और समर्पण से व्यक्ति अपने सपनों को साकार कर सकता है।

श्री दीपक कुमार की पत्नी का नाम श्रीमती पुष्पा लता दुबे है। दिनांक 23.03.1991 को उन्हें कन्या रत्न की प्राप्ति हुई जिसका नाम साधना रखा गया। फिर दिनांक 23.08.1993 को पुन: कन्या रत्न की प्राप्ति हुई जिसका नाम उपासना दुबे रखा गया। तत्पश्चात् दिनांक 19.11.1997 को उनके यहाँ दो जुड़वा बच्चे पैदा हुए जिसमें एक पुत्र व एक पुत्री पैदा हुए पुत्र का नाम शुभम व पुत्री का नाम स्वाती रखा गया।

दिनांक 01.06.2000 को श्री दीपक कुमार की अकुशल श्रमिक पद से प्रेस ऑपरेटर ग्रेड-II पर पदोन्नति हुई एवं दिनांक 01.06.2012 को प्रेस ऑपरेटर ग्रेड-II से कनिष्ठ सहायक ग्रुप 'ई' में पदोन्नति की गयी। इसके पश्चात् दिनांक 01.06.2017 को कनिष्ठ सहायक ग्रुप 'ई' से वरिष्ठ सहायक ग्रुप 'एफ' में पदोन्नति की गयी। दिनांक 01.08.2023 में वरिष्ठ सहायक ग्रुप 'एफ' से वरिष्ठ सहायक ग्रुप 'जी' में पदोन्नति हुई।

5 से 35 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले कर्मचारियों को प्राप्त सेवा उपहार की सूची

35 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले कर्मचारियों की सूची

क्रम सं.	वै.सं.	नाम	विभाग	सेवा उपहार
01	1937	विजय शंकर सैनी	उत्पादन	मोबाईल
02	1940	राधे श्याम	विपणन	मोबाईल
03	1941	बिपिन कुमार	उत्पादन	मोबाईल

30 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले कर्मचारियों की सूची

क्रम सं.	वै.सं.	नाम	विभाग	सेवा उपहार
01	1971	श्रीकान्त राम	उत्पादन	मोबाईल

25 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले कर्मचारियों की सूची

क्रम सं.	वै.सं.	नाम	विभाग	सेवा उपहार
01	1980	सोमा शर्मा	विपणन	मोबाईल
02	1986	शुभ्रजीत तपादर	एएपीसी बैंगलौर	मोबाईल
03	1998	रमेश चाँद	विपणन	मोबाईल

20 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले कर्मचारियों की सूची

क्रम सं.	वै.सं.	नाम	विभाग	सेवा उपहार
01	2019	आभाष द्विवेदी	उत्पादन	मोबाईल
02	2020	अनूप राठौर	वित्त	म्यूजिक सिस्टम
03	2022	अजय प्रताप त्रिपाठी	उत्पादन	मोबाईल
04	2023	मुमताज हुसैन	विपणन	मोबाईल
05	2024	दीप कुमार	उत्पादन	म्यूजिक सिस्टम
06	2026	अखिलेश्वर सिंह	हियरिंग एड	म्यूजिक सिस्टम
07	2027	अनिमेष भट्टाचार्य	वित्त	म्यूजिक सिस्टम
08	2028	ब्रजभान सिंह	हियरिंग एड	म्यूजिक सिस्टम
09	2030	नीरज प्रताप सिंह	हियरिंग एड	म्यूजिक सिस्टम
10	2031	नागेन्द्र प्रसाद जुयल	टूल रूम	म्यूजिक सिस्टम
11	2032	रमेश सिंह	सामग्री	मोबाईल
12	2033	राम चन्द्र सिंह कैंटुरा	उत्पादन	मोबाईल
13	2034	राम सिरोमणि	उत्पादन	मोबाईल
14	2035	संजय सिंह	उत्पादन	मोबाईल

15	2036	शिव कुमार मिश्रा	उत्पादन	मोबाईल
16	2037	तरंजीत सिंह	उत्पादन	मोबाईल
17	2038	विपिन सिंह रावत	आरएमसी मुंबई	मोबाईल
18	2039	योगेन्द्र कुमार शर्मा	विपणन	मोबाईल
19	2040	अमित कुमार तिवारी	गुणवत्ता नियंत्रण	मोबाईल
20	2041	जितेन्द्र सिंह	विपणन	म्यूजिक सिस्टम
21	2042	नागेन्द्र कुमार तिवारी	विपणन	म्यूजिक सिस्टम
22	2043	सुरेन्द्र सिंह सिकरवार	प्रशासन	म्यूजिक सिस्टम
23	2044	आशीष शुक्ला	विपणन	मोबाईल
24	2045	मो. नोमान	उत्पादन	म्यूजिक सिस्टम
25	2047	मो. मुदस्सिर	प्रशासन	म्यूजिक सिस्टम
26	2048	राकेश पाण्डेय	विपणन	मोबाईल
27	2049	चन्द्र प्रकाश	पीएस8	मोबाईल
28	2051	अनुपम यादव	गुणवत्ता नियंत्रण	म्यूजिक सिस्टम

15 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले कर्मचारियों की सूची

क्रम सं.	वै.सं.	नाम	विभाग	सेवा उपहार
01	2063	अतुल रुस्तगी	वित्त एवं प्रशासन	एयर कूलर
02	2067	बंशी लाल साकेत	वित्त	एयर कूलर
03	2069	विकास चन्द्र केसरवानी	वित्त	एयर कूलर

10 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले कर्मचारियों की सूची

क्रम सं.	वै.सं.	नाम	विभाग	सेवा उपहार
01	2072	योगेन्द्र सिंह यादव	गुणवत्ता नियंत्रण	एयर फ्रायर
02	2073	पीयूष चतुर्वेदी	उत्पादन	एयर फ्रायर
03	2074	पी. वेनित्ज सैमसन	एएपीसी बंगाल	एयर फ्रायर
04	2075	विनय प्रकाश श्रीवास्तव	वित्त	एयर फ्रायर
05	2076	राजीव कुमार जसवौल	वित्त	एयर फ्रायर
06	2077	दिनेश चन्द्र तिवारी	उत्पादन	एयर फ्रायर

07	2078	संजय सिंह	आरएमसी हैदराबाद	एयर फ्रायर
08	2079	शिव कुमार अग्रवाल	सामग्री	एयर फ्रायर
09	2080	हरीश कक्कड़	एएपीसी फरीदाबाद	एयर फ्रायर
10	2081	मृणाल कुमार	एएपीसी फरीदाबाद	एयर फ्रायर
11	2082	सपना सिंह	वित्त	एयर फ्रायर
12	2083	प्रेम प्रकाश चावला	कम्पनी सचिव	एयर फ्रायर
13	2084	अरुण मिश्रा	सामग्री	एयर फ्रायर
14	2085	अनबरसन सिवाकुमार	एएपीसी बंगाल	एयर फ्रायर
15	2086	घनश्याम यादव	अभिकल्प एवं विकास	एयर फ्रायर
16	2087	इशविंदर सिंह	एएपीसी मोहाली	एयर फ्रायर
17	2088	मुन्ना चौहान	पीएस8	एयर फ्रायर
18	2089	प्रकाश रामसुंदर चौधरी	उत्पादन	एयर फ्रायर
19	2090	देवांश वाथरे	उत्पादन	एयर फ्रायर
20	2091	राम बचन वर्मा	एएपीसी भुवनेश्वर	एयर फ्रायर
21	2092	बिभूति भूषण साहू	एएपीसी भुवनेश्वर	एयर फ्रायर
22	2093	ज्ञानेंद्र कुमार	उत्पादन	एयर फ्रायर
23	2094	विश्राम सिंह	उत्पादन	एयर फ्रायर
24	2095	ब्रजेन्द्र प्रजापति	गुणवत्ता नियंत्रण	एयर फ्रायर
25	2098	मृदुल अवस्थी	एएपीसी उज्जैन	एयर फ्रायर
26	2100	सुमित तिवारी	एएपीसी फरीदाबाद	एयर फ्रायर
27	2103	अभिषेक तिवारी	वित्त	एयर फ्रायर
28	2104	राम प्रकाश वर्मा	वित्त	एयर फ्रायर
29	2105	कुरनाल तिवारी	एएपीसी भुवनेश्वर	एयर फ्रायर
30	2107	स्वाति सक्सेना	वित्त	एयर फ्रायर
31	2109	के. नरसिम्हा मूर्ति	विपणन	एयर फ्रायर
32	2110	सुखदेव बाजपेई	उत्पादन	एयर फ्रायर
33	2112	मानगोबिन्द स्वेन	विपणन	एयर फ्रायर
34	2114	अशोक कुमार साहू	विपणन	एयर फ्रायर

35	2115	रवि शंकर	आरएमसी हैदराबाद	एयर फ्रायर
36	2117	क्षिरोद चन्द्र बेहरा	विपणन	एयर फ्रायर
37	2118	रबिन्द्र कुमार ढल	विपणन	एयर फ्रायर
38	2120	सरिता द्विवेदी	प्रशासन	एयर फ्रायर
39	2121	लिटन सरकार	विपणन	एयर फ्रायर
40	2122	तरुण शुक्ला	उत्पादन	एयर फ्रायर
41	2126	अनुपम प्रकाश	विपणन	एयर फ्रायर

05 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले कर्मचारियों की सूची

क्रम सं.	वै.सं.	नाम	विभाग	सेवा उपहार
1	2127	सिरशांग्सु सेनगुप्ता	विपणन	ट्राली बैग
2	2128	जितेन्द्र सिंह	प्रोजेक्ट	ट्राली बैग
3	2131	नीलेंद्र मोनी दत्ता	प्रशासन	ट्राली बैग
4	2134	शशी त्रिपाठी	विपणन	ट्राली बैग
5	2135	संजय मण्डल	विपणन	ट्राली बैग
6	2136	अशोक कुमार पाल	वित्त	ट्राली बैग
7	2137	स्वप्नेंदु रथ	विपणन	ट्राली बैग
8	2138	पंकज द्विवेदी	विपणन	ट्राली बैग
9	2140	नितिन मोहर	विपणन	ट्राली बैग
10	2143	प्रियंका सिंह	आरएमसी दिल्ली	ट्राली बैग
11	2144	अंजनी कुमार सिन्हा	विपणन	ट्राली बैग
12	2145	स्मृति रंजन मल्लिक	एएपीसी भुवनेश्वर	ट्राली बैग
13	2146	आर के दास	विपणन	ट्राली बैग
14	2147	अभय प्रताप सिंह	उत्पादन	ट्राली बैग
15	2148	सुरेन्द्र सिंह	विपणन	ट्राली बैग
16	2153	अरुण कुमार पाण्डेय	वित्त	ट्राली बैग
17	2154	सुरजीत कुमार	वित्त	ट्राली बैग
18	2155	अनुज कुमार राठौर	वित्त	ट्राली बैग
19	2156	सोनू कुमार	आरएमसी कोलकाता	ट्राली बैग
20	2157	रितेश श्रीवास्तव	अभिकल्प एवं विकास	ट्राली बैग
21	2158	अजय चौधरी	विपणन	ट्राली बैग

22	2160	विवेक द्विवेदी	उत्पादन	ट्राली बैग
23	2161	प्रवीण कुमार	सीएमडी	ट्राली बैग
24	2163	जितेन्द्र कुमार	उत्पादन	ट्राली बैग
25	2164	दीपू कुमार	पीएस8	ट्राली बैग
26	2165	उषा वर्मा	उत्पादन	ट्राली बैग
27	2166	विपिन शुक्ला	उत्पादन	ट्राली बैग
28	2167	पंकज शुक्ला	पीएस8	ट्राली बैग
29	2168	संदीप कुमार	विपणन	ट्राली बैग
30	2170	शिव कमल	टूलरूम	ट्राली बैग
31	2171	महेंद्र सोनकर	गुणवत्ता नियंत्रण	ट्राली बैग
32	2172	रोहित त्रिपाठी	गुणवत्ता नियंत्रण	ट्राली बैग
33	2173	संतोष कुमार सेठी	एएपीसी भुवनेश्वर	ट्राली बैग
34	2174	विशाल शुक्ला	उत्पादन	ट्राली बैग
35	2175	राजू शर्मा	उत्पादन	ट्राली बैग
36	2177	मुकेश मिश्रा	एएपीसी गुवाहाटी	ट्राली बैग
37	2178	अरविन्द राजक	उत्पादन	ट्राली बैग
38	2180	अरविन्द कुमार सिंह	अनुरक्षण	ट्राली बैग
39	2181	प्रभाकर रंजन	पीएस8	ट्राली बैग
40	2182	संदीप कुमार	विपणन	ट्राली बैग
41	2183	हरीश कुमार	विपणन	ट्राली बैग
42	2184	अंकुर कटियार	सूचनाप्रौधोगिकी	ट्राली बैग
43	2185	चन्दन कुमार चाँद	विपणन	ट्राली बैग
44	2186	ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर	अभिकल्प एवं विकास	ट्राली बैग
45	2187	अमित कुमार	प्रोजेक्ट	ट्राली बैग
46	2188	ऋषि राज	विपणन	ट्राली बैग
47	2189	जितेन्द्र राव	गुणवत्ता नियंत्रण	ट्राली बैग
48	2190	दीपक कुमार कनौजिया	विपणन	ट्राली बैग
49	2191	रवि रंजन	उत्पादन	ट्राली बैग
50	2192	रविन्द्र कुमार मिश्रा	प्रशासन	ट्राली बैग
51	2193	सुकृति सैनी	उत्पादन	ट्राली बैग
52	2194	जितेन्द्र कुमार	टूलरूम	ट्राली बैग
53	2195	रोहित कुमार	उत्पादन	ट्राली बैग
54	2196	कविन्द्र नाथ वर्मा	उत्पादन	ट्राली बैग

55	2198	शंकर लाल	टूलरूम	ट्राली बैग
56	2199	तुहिन कुंदु	टूलरूम	ट्राली बैग
57	2200	धीरज कनौजिया	उत्पादन	ट्राली बैग
58	2202	रवि दुबे	वित्त	ट्राली बैग
59	2203	संजीव कुमार	एएपीसी गुवाहाटी	ट्राली बैग
60	2204	शबीना	उत्पादन	ट्राली बैग
61	2205	विनोद कुमार	उत्पादन	ट्राली बैग
62	2206	सौरभ शर्मा	पीएस8	ट्राली बैग
63	2207	सुनील कुमार	उत्पादन	ट्राली बैग
64	2208	अभिनाश कुमार	उत्पादन	ट्राली बैग
65	2209	महेश चन्द्र	उत्पादन	ट्राली बैग
66	2210	ब्रज मोहन सिंह यादव	उत्पादन	ट्राली बैग
67	2212	रत्नेश कुमार	उत्पादन	ट्राली बैग
68	2213	लक्ष्मी चन्द्र	गुणवत्ता नियंत्रण	ट्राली बैग
69	2214	रवि गुप्ता	उत्पादन	ट्राली बैग
70	2215	हरि निवास तिवारी	उत्पादन	ट्राली बैग
71	2216	देवराज दिवाकर	उत्पादन	ट्राली बैग
72	2217	लोकनाथ महापात्रा	अनुरक्षण	ट्राली बैग
73	2218	विश्वजीत सिंह	उत्पादन	ट्राली बैग
74	2219	रवि कुमार	सामग्री प्रबंधन	ट्राली बैग
75	2220	अतुल कुमार पाण्डेय	अनुरक्षण	ट्राली बैग
76	2221	गोधन सिंह	एएपीसी जबलपुर	ट्राली बैग
77	2222	सचिन कुमार वर्मा	उत्पादन	ट्राली बैग
78	2223	धीरेन्द्र कुमार	उत्पादन	ट्राली बैग
79	2224	अखिलेश कुमार यादव	टूलरूम	ट्राली बैग
80	2226	मुकेश	उत्पादन	ट्राली बैग
81	2227	लाल बहादुर चौहान	गुणवत्ता नियंत्रण	ट्राली बैग
82	2230	अमित प्रकाश दिवाकर	प्रशासन	ट्राली बैग
83	2231	अनिल कुमार	आरएमसी चेन्नई	ट्राली बैग
84	2233	शैलेन्द्र कुमार	उत्पादन	ट्राली बैग
85	2234	सुशील कुमार	सामग्री प्रबंधन	ट्राली बैग
86	2235	गोविन्द कनौजिया	वित्त	ट्राली बैग

87	2236	भरत लाल विश्वकर्मा	विपणन	ट्राली बैग
88	2237	कुलदीप कुमार	उत्पादन	ट्राली बैग
89	2239	शैलेश रंजन	विपणन	ट्राली बैग
90	2240	मनमोहित यादव	अनुरक्षण	ट्राली बैग
91	2241	दिनेश कुमार मिश्रा	सामग्री प्रबंधन	ट्राली बैग
92	2242	माधव कुमार स्वर्णकार	अनुरक्षण	ट्राली बैग
93	2243	वीर सिंह	उत्पादन	ट्राली बैग
94	2244	विकाश	अनुरक्षण	ट्राली बैग
95	2246	सुधीर कुमार	उत्पादन	ट्राली बैग
96	2247	अंकित कटियार	गुणवत्ता नियंत्रण	ट्राली बैग
97	2249	अविजीत पॉल	अनुरक्षण	ट्राली बैग
98	2250	अभिजीत आनंद	गुणवत्ता नियंत्रण	ट्राली बैग
99	2251	पंकजकुमार शर्मा	अनुरक्षण	ट्राली बैग
100	2252	मनीष शिवचंद्र काम्बले	अभिकल्प एवं विकास	ट्राली बैग
101	2253	किशन	आरएमसी चेन्नई	ट्राली बैग
102	2254	निखिल रस्तोगी	वित्त	ट्राली बैग
103	2258	वंदना	आरएमसी दिल्ली	ट्राली बैग
104	2262	दीपक कुमार	उत्पादन	ट्राली बैग
105	2263	प्रतीक सिंह	एएपीसी फरीदाबाद	ट्राली बैग
106	2264	प्रदीप कुमार	गुणवत्ता नियंत्रण	ट्राली बैग
107	2265	अभिषेक पवार	गुणवत्ता नियंत्रण	ट्राली बैग
108	2266	ब्रजेश कुमार मौर्य	उत्पादन	ट्राली बैग
109	2270	रामू सिंह	गुणवत्ता नियंत्रण	ट्राली बैग
110	2271	जी के साबत	वित्त	ट्राली बैग
111	2272	आलोक कुमार	उत्पादन	ट्राली बैग
112	2273	विनय कुमार मौर्य	विपणन	ट्राली बैग
113	2274	विश्वनाथ तिवारी	वित्त	ट्राली बैग

एलिम्को में आयोजित खेल प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों के नाम की सूची

कैरम प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों के नाम

अ-पुरुष वर्ग में विजेताओं की सूची

क्रमसं.	नाम	विभाग	पद
1	अभिषेक कुमार	सामग्री	विजेता
2	पीयूष द्विवेदी	उत्पादन	विजेता
3	पंकज शर्मा	अनुरक्षण	उपविजेता
4	मुन्ना चौहान	अनुरक्षण	उपविजेता

ब-महिला वर्ग में विजेताओं की सूची

क्रमसं.	नाम	विभाग	पद
1	शबीना	उत्पादन	विजेता
2	रूचि यादव	उत्पादन	विजेता
3	शानू	विपणन	उपविजेता
4	कामाख्या मिश्रा	उत्पादन	उपविजेता

टेबल टेनिस प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों के नाम

अ-पुरुष वर्ग में विजेताओं की सूची

क्रमसं.	नाम	विभाग	पद
1	पीयूष चतुर्वेदी	उत्पादन	प्रथम स्थान
2	ईशान चौरसिया	उत्पादन	द्वितीय स्थान
3	दिनेश चन्द्र तिवारी	उत्पादन	तृतीय स्थान

ब-महिला वर्ग में विजेताओं की सूची

क्रमसं.	नाम	विभाग	पद
1	हर्षिता बाजपेई	उत्पादन	प्रथम स्थान
2	काजोल देवी	उत्पादन	द्वितीय स्थान
3	काव्या वर्मा	उत्पादन	तृतीय स्थान

क्रिकेट टूर्नामेंट- टूर्नामेंट में कुल 14 टीमों ने भाग लिया जिसमें फ़ाइनल मेंटीनेंस बनाम टाइटन्स (प्रोडक्शन) के बीच खेला गया

1	Cricket Winner Cup	Titan Team Production	1 Cup
2	Medal for Winning Team		15 Medals
3	Cricket Runner-up Cup	Maintenance Team (HQ)	1 Cup
4	Medal for Runner-up Team		15 Medals
5	Man of the Match (FINAL)	Sachin Kumar Verma (Production)	1 Cup
6	Best Bowler of Tournament	Jitendra Singh (Production)	1 Cup
7	Best Batsman of Tournament	Sachin Kumar Verma (Production)	1 Cup
8	Man of the Series	Sachin Kumar Verma	1 Cup

2024 में हुए नव नियुक्त अधिकारियों की सूची

क्रम सं.	वै.सं.	नाम	विभाग	पद	नियुक्ति
1	2396	रितेश जायसवाल	उत्पादन	अधिकारी	23.02.2024
2	2397	अभिनव पाण्डेय	सामग्री-प्रबंधन	उप प्रबंधक	29.02.2024
3	2398	हिमांशु शर्मा	विपणन	अधिकारी	15.03.2024
4	2399	अभिषेक अवस्थी	सामग्री-प्रबंधन	उप प्रबंधक	08.07.2024
5	2400	विकास शर्मा	विपणन	वरिष्ठ प्रबंधक	29.08.2024
6	2402	मनोज कुमार त्रिपाठी	वित्त	उप महाप्रबंधक	04.09.2024
7	2403	नीलेन्द्र कुमार पाण्डेय	अनुरक्षण	कनिष्ठ प्रबंधक	05.09.2024
8	2404	प्रिया ग्रोवर	कार्मिक एवं प्रशासन	सहायक प्रबंधक	23.09.2024

2024 में हुए नव नियुक्त कर्मचारियों की सूची

क्रम सं.	वै.सं.	नाम	विभाग	पद	नियुक्ति
1	2394	प्रशान्त गुप्ता	उत्पादन	सी. एन. सी. ऑपरेटर ग्रुप सी	18.01.2024
2	2401	सौरभ वर्मा	वित्त	लेखाकार ग्रुपडी	03.09.2024
3	2405	ध्रुव प्रकाश	उत्पादन	सी. एन. सी. ऑपरेटर ग्रुप डी	23.09.2024
4	2406	निखिल कुमार पाण्डेय	उत्पादन	प्रेस ओपरेटर	24.09.2024
5	2407	अंकुश कुमार	उत्पादन	फिटर ग्रुप बी	24.09.2024
6	2408	शुभम कुमार	अनुरक्षण	वर्कमैन इलेक्ट्रिकल	24.09.2024
7	2409	अनमोल घनश्याम छावरे	विपणन	विपणन सहायक ग्रुप सी	24.09.2024
8	2410	विजय कुमार	गुणवत्ता नियंत्रण	गुणवत्ता नियंत्रण सहायक इलेक्ट्रॉनिक ग्रुप सी	25.09.2024
9	2411	विकास कुमार	उत्पादन	टर्नर ग्रुप बी	30.09.2024

10	2412	मनीष कुमार	गुणवत्ता नियंत्रण	गुणवत्ता नियंत्रण सहायक इलेक्ट्रॉनिक ग्रुप सी	01.10.2024
11	2413	सुरजीत मंडल	उत्पादन	प्रेस ओपरेटर ग्रुप बी	03.10.2024
12	2414	वाथ्य सरदार	गुणवत्ता नियंत्रण	गुणवत्ता नियंत्रण सहायक मैकेनिकल ग्रुप सी	07.10.2024

2024 में सेवानिवृत्त हो चुके अधिकारियों की सूची

क्रमसं.	वै.सं.	नाम	विभाग	पद	नियुक्ति	जन्मतिथि	सेवानिवृत
1	2003	ए के सिंह	गुणवत्ता नियंत्रण	उप-महाप्रबंधक	16.03.2000	12.04.1964	30.04.2024
2	1986	सुभ्रजीत तपादर	ए ए पी सी बंगाल	प्रबंधक	08.07.1999	01.09.1964	31.08.2024

2024 में सेवानिवृत्त हो चुके कर्मचारियों की सूची

क्रमसं.	वै.सं.	नाम	विभाग	पद	नियुक्ति	जन्मतिथि	सेवानिवृत
1	1944	बच्चू समंद्दर	आर एम सी कोलकाता	अकुशल	01.07.1987	07.03.1964	31.03.2024
2	1955	पप्पू	प्रशासन	यार्डमैन	03.05.1991	29.04.1964	30.04.2024

Poem

Thank you God, thanks a lot,
You gave me the freedom.
The power to chose, to love,
the choice to live like a dove.

You made the flower and the fruits,
the vigour and the youth.
the trees, the grass are all beautiful,
i wonder how they are so colourful.
Like a father, you guarded me,
Like a mother, you cared for me.

The love,you showered,
The mind, you powered.
So splendid and so great,
which only you can create.

Whenever, I found myself lonely,
You were there for help, surely.
Whenever, I landed into trouble,
Your presence, made it to go like a bubble.
Like a toddler, I walk and fall,
and everytime you listen to my call.
Never can I, have a parent like you,
So tender and nourishing like the dew.

thank you God, thanks a lot.

Alok Thakur
DGM (Project & MM)

Wheelchair.......

I saw an old woman, frail and slow,
In a wheelchair, with no where to go.

She wore a sari, pure and white,
Her skin was yellow, & eyes dimmed of light.

Her strength was fading, hopes grown thin,
The wheels were stuck, she couldn't win.

With trembling hands and eyes in pain,
She tried and tried, but all in vain.

I saw her struggle, heard her plea,
Her silent tears were clear to me.

I walked to her with gentle care,
And found a wheel caught unaware.

A crack beneath had trapped it tight,
She sat alone, no help in sight.

I freed the wheel and rolled her straight,
Back on the path, to change her fate.

She smiled with joy, her eyes so bright,
That moment turned her dark to light.

Abandoned in a quiet place,
She found some peace, though not the best.

Now wheelchair may guide her every mile,
But what she still needs is love and smile

Mahesh Singh
Assistant Manager (P&A)

कविता

अब मान लो ये ठान लो, खुद की ताक़त पहचान लो,
रुको नहीं झुको नहीं, आगे बढ़ना है ये जान लो। एक पौधा रोपा गया, बन गया वट वृक्ष है।
लम्बा, संघर्ष से भरा, सफर तय कर। आसरा बन गया, सहारा नया।
कृत्रिम अंगो, सहायक उपकरणों का लाया खजाना सुविधा, स्वावलम्बन, दिव्य जन हिताय का मंत्र
दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ जनों का एलिम्को बन गया एक मात्र तंत्र है लेकिन सफलता एक यात्रा है, मंजिल नहीं
अब मान लो ये ठान लो, खुद की ताक़त पहचान लो, रुको नहीं झुको नहीं, आगे बढ़ना है ये जान लो।
ये देखकर मुश्किलें कभी, रुकना नहीं, थमना नहीं, जो हैं पड़े पीछे भी, उनको ले चलना है साथ भी।

अनुपम प्रकाश
वरिष्ठ प्रबंधक (विपणन-नार्थ ईस्ट एण्ड सर्विसेज)

रख-रखाव विभाग की प्रमुख उपलब्धियां

रख-रखाव विभाग ने वर्ष भर अपनी तत्परता, दृढ़ता और समर्पण के साथ संस्थान के सुचारु संचालन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, विभाग की प्रमुख उपलब्धियां निम्नलिखित हैं।

1. **समयबद्ध मरम्मत कार्य:-**सभी कार्यालयों में मरम्मत कार्यों को औसतन 24-48 घंटे के भीतर पूरा किया गया जिससे कार्य में रुकावट न्यूनतम रही।

2. **नवीन उपकरणों की स्थापना:-** वर्ष के दौरान विभाग द्वारा नए पंखे , एसी, कंप्यूटर टेबल आदि की सफल स्थापना की गई।

3. **ऊर्जा बचत की पहल:-** LED बल्बों का उपयोग बढ़ाकर बिजली की खपत में प्रतिशत की कमी लाई गई।

4. **साफ-सफाई और सौंदर्यीकरण:-** भवनों की नियमित सफाई रंगाई-पुताई एवं मर्डनिंग के माध्यम से कार्यालय परिसर की स्वच्छ और आकर्षण बनाए रखने में विशेष योगदान।

5. **एएमसी प्रबंधन:-** सभी उपकरणों के AMC को समय पर नवीनीकृत किया गया, जिससे मशीनो में खराबी की दर घटी।

6. **आपातकालीन सेवाओं में तत्परता:-** किसी भी आपात स्थिति जैसे जल रिसाव बिजली फॉल्ट आदि पर प्रतिक्रिया दी गई।

7. **डिजिटल रिकॉर्ड प्रबंधन:-**सभी अनुरोधों और कार्य का रिकॉर्ड डिजिटल माध्यम से रखा गया जिससे पारदर्शिता और कार्यकुशलता में वृध्दि हुई।

रख-रखाव विभाग के लिए कुछ शब्द

हमारे कार्यक्षेत्र की हर दीवार हर मशीन , हर स्विच इस विभाग की मेहनत की गवाही देता है, धन्यवाद इस अदृश्य मगर अटल समर्थन के लिए।

लोकनाथ महापात्रा
इलेक्ट्रेशियन ग्रुप सी
विभाग-पीएस 8

गीत

शीर्षक:- "हम रहें न रहें याद आया करें"

जिन्दगी में चलो, कुछ तो ऐसा करो।
हम रहें न रहें, याद आया करें॥

फूल हों, शूल हों, पाँव चलते रहें।
हम दिया बनके, राहों में जलते रहें॥

सुख में भी दुःख में भी, मुस्कराया करें।
हम रहें न रहें, याद आया करें॥

गैर के दर्द का हमको एहसास हो।
झोपड़ी में भी सुख का आभास हो॥

गीत गम के सही, हम गुनगुनाया करें।
हम रहें न रहें याद आया करें॥

कोई भूखा न हो, कोई प्यासा न हो।
अब किसी की आँख में निराशा न हो॥

बांटकर जो मिले, अन्न हम खाया करें|
हम रहें न रहें याद आया करें॥

जीत के साथ भी रहे, हार के साथ भी रहे।
जीवन के हर मोड़ पर, सबके साथ रहे॥

हम रहें न रहें याद आया करें॥

परीक्षित द्विवेदी
पद : अर्ध–कुशल कर्मचारी (संविदा)
विभाग : गुण नियंत्रण

कविता

ऐ ज़िंदगी !
तू कभी आदर्श लगती है, कभी बेकार लगती है,
कभी बेगैरत, तो कभी प्यार लगती है,
कभी गमजदा तो कभी त्यौहार लगती है,
कभी काँटों सी चुभती है, तो कभी फूलों का हार लगती है,
कभी कुएं सी अकेली, तो कभी सौ घाटों पर बहती किसी नदी की धार लगती है,
एक-एक फलसफा तेरा रहस्य सा, तो कभी सीधी-साधी तू बाहर सी लगती है,
ऐ जिंदगी तू कभी आदर्श, तो कभी बेकार लगती है।

सुधीर कुमार गुप्ता
(असिस्टेंट क्लर्क) ग्रुप–डी
एएपीसी भुवनेश्वर

कविता

सदा सवेरे उठा करो,
मन लगाकर पढ़ा करो।
दांत साफ नित किया करो,
नख मत बढ़ने दिया करो।
प्रतिदिन तुम स्नान करो,
फिर ईश्वर का ध्यान करो।
गुरुजन का सम्मान करो,
कभी न तुम अभिमान करो।
अच्छे-अच्छे काम करो,
जग में ऊंचा नाम करो।

लव यादव
पुत्र अनिल कुमार
पोलिसर ग्रुप–ए

सेवा की राह पर ALIMCO

अंधेरों से रोशनी की ओर चल पड़ा है एक कारवां,
हौसलों को देता पंख, उम्मीदों को देता है जुबां,
हर उपकरण में बसती है जिसके सेवा की सच्ची दास्तां।
नाम है जिसका ALIMCO, वो बना है हर अशक्त का आसमा।

कटे हुए सपनों को जिसने उड़ान दी,
टूटी हुई छांव को फिर से पहचान दी,
नाम है जिसका ALIMCO, वो स्वालम्बन की नई पहचान बनी।

निगम के फौलादी इरादों ने दिव्यांगजनों की उम्मीदे गढ़ी है,
उनके सपनों में रंग भरा है आवश्यकता का हर एक उपकरण गढ़ा है।
नाम है जिसका ALIMCO, सबकी उम्मीदों पे वो खरा है।

कृत्रिम उपकरण नहीं, असख्तो के नवजीवन की असली पूंजी है,
ALIMCO की हर रचना में संवेदना घुली है।
कभी बैसाखी, कभी व्हीलचेयर बनाकर चला है,
ALIMCO हर दिव्यांग के मन में विश्वास बनकर ढला है।

कर्मचारियों की कर्मठता से, कुशल नेतृत्वकर्ता से,
उपकरण की उत्कृस्ट गुणवत्ता से,
मानवीय गरिमा की पुनःप्रतिष्ठा से,
निगम नए कीर्तिमान पे पंहुचा है।
नाम है जिसका ALIMCO,
दिव्यांगों की दिव्यांसा बनकर हर शहर में पहुंचा है,

ALIMCO की हर रचना में एक नयी बात होती है।
जो पीड़ा में भी मुस्कान और आत्मनिर्भरता की सौगात होती है।
ALIMCO नहीं, ये तो समर्पण की परिभाषा है,
भारत की मिट्टी से निकली सेवा की सच्ची अभिलाषा है।

स्वरचित
आशीष सिंह
वरिष्ठ प्रबंधक (कार्मिक एवं प्रशासन)

Woman: One Form, a Thousand Roles

I often find myself wondering…
What is our greatest strength as women?

We, who stand strong on every front — at home, at work, in society .what is that silent magic we carry, that holds together entire worlds?

And then, it comes to me…A form, a symbol. a reflection, Our goddesses.

Have you ever truly thought about it? Every goddess — whether it is Durga, Lakshmi, or Saraswati —is always depicted with many hands.Four, Eight,. Ten, Sixteen. Why?

Because a woman is created that way ,she is born with the ability to handle multiple roles seamlessly, gracefully, and powerfully, often all at once, and still smile through it.

Each hand is a symbol of strength, of care, of protection, of creation. That same divine model is found in every woman today. She is the multitasker, who excels in every task, is capable in every field, and still carries her family with love and care.

I have seen her face challenges head-on, rise to powerful positions, and yet manage her home with just as much dedication. She swims against the tide, because she wants it all —and knows how to balance it all.

And this balance… this is what makes her extraordinary. But she does not walk alone. Behind this strength often stands a progressive father, who doesn't clip her wings , he fuels her flight. A strong brother, who doesn't just protect her like a stick in a storm, but stands tall beside her, shoulder to shoulder. And a partner in life, who says not "follow me,"but:Let us grow together without growing apart."And that… is so important.

Yet, above all, what makes her truly powerful is that multi-tasking model that we call Woman.

She thinks, she leads, she nurtures, she creates —all at once, and she does it not because she must, but because she can.

Maybe that's why male gods have only two hands, but goddesses have many —because only a woman can hold so much together, without ever falling apart.

This isn't just spiritual —it's biological too. A woman has an extra X chromosome, and with it comes: extra care, extra patience extra strength extra balance.

That is our design. That is our superpower. Not in loudness, but in quiet resilience.
Not in claiming space, but in holding space for everyone.

A woman is not just a person —she is a system, a creator, a balance, a living srijan of life itself.

Kavita Banga
Officer (P&A)

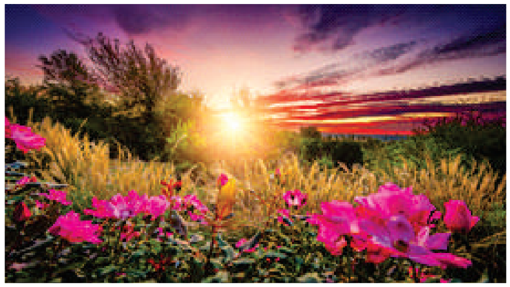

सच्ची खुशी : जो है उसमें आनंद लें, लेकिन सपनों को कभी मत छोड़ें

"Success is not the key to happiness- Happiness is the key to success- If you love what you are doing] you will be successful."
- Albert Schweitzer

सच्ची खुशी का मतलब यह नहीं कि हमें जीवन में सब कुछ मिल जाए, बल्कि यह है कि जो हमारे पास है, हम उसमें संतुष्ट और प्रसन्न रहें। जब हम हर छोटी चीज में खुशी ढूंढना सीख जाते हैं, तो जीवन खुद–ब–खुद सुंदर लगने लगता है। लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि हम महत्वाकांक्षा छोड़ दें।

हमें हमेशा बड़े सपने देखने चाहिए और उन्हें पूरा करने की कोशिश करनी चाहिए। जीवन में चुनौतियाँ आएंगी, असफलताएँ भी मिलेंगी, लेकिन आशा और आत्मविश्वास नहीं छोड़ना चाहिए। जब आप अपने वर्तमान को अपनाते हुए भविष्य की ओर बढ़ते हैं, तो यही सच्ची सफलता और खुशी का रास्ता है।

इसलिए, जो है उसका आनंद लें, लेकिन जो चाहिए उसे पाने की कोशिश करते रहें थके। यही जीवन का असली सार है।

"Keep your face always toward the sunshine&and shadows will fall behind you-" **- Walt Whitman**

अंजली सिंह
सहायक (पी.एण्ड ए.)

जिंदगी भी क्या हसीन मोड़ देती है?

जिंदगी भी क्या हसीन मोड़ देती है. कभी रंगीन........कभी बेरंग छोड़ देती है उन नन्ही मुस्कानों की क्या कमी है जो दुनिया उन्हें बेढंग छोड़ देती है।

उनके हौसलो में कमी नहीं थी वो तो हमने गिराया उन्हें है जो आसमानों में उड़ने को बने थे लाचार बनाया उन्हें है।

दिव्य लगाने से दिव्यता नहीं है दिव्यांगों में असमर्थता नहीं है बेचारी की नजर से ना देखो तू ना सोच की सामर्थ्यता नही है

तेरी सोच तेरा फैसला बदल देगी
उनका टूटा हुआ हौसला बदल देगी बस साथ खड़े हो जा उनके
उनकी सख्सियत तेरा नजरिया बदल देगी.........

विकास कुशवाहा
अर्द्धकुशल कर्मचारी (संविदा)
विभाग – (पी.एण्ड ए.)

सेवा संकल्प पत्र

APOC मुख्यालय: सेवा, समर्पण और सशक्तिकरण की ओर एक प्रतिबद्ध प्रयास

APOC मुख्यालय दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के प्रति पूर्णतः समर्पित है। हमारा उद्देश्य उन्हें आत्मनिर्भर बनाना और उनकी जीवन गुणवत्ता में सुधार लाना है। हमें गर्व है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में हमने ₹25 करोड़ के वितरण को पहली बार सफलतापूर्वक प्राप्त किया, जो हमारे सभी कर्मचारियों की कड़ी मेहनत, समर्पण, कड़ी मेहनत और समाज के प्रति उत्तरदायित्व को दर्शाता है।

हमारी प्रतिबद्धताएँ:

✓ दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों को सहज, सुलभ और प्रभावी सेवाएं प्रदान करना।

✓ नवाचार और तकनीकी समाधान के माध्यम से सेवा की गुणवत्ता में वृद्धि।

✓ पारदर्शिता और समर्पण के साथ सामाजिक उत्थान में योगदान देना।

✓ समावेशी समाज के निर्माण की दिशा में निरंतर कार्य करना।

नवीनतम 3D प्रिंटिंग तकनीक: सटीक और उन्नत कृत्रिम अंग निर्माण की दिशा में कदम

APOC मुख्यालय ने हाल ही में एक अत्याधुनिक 3D प्रिंटिंग मशीन स्थापित की है, जो दिव्यांगजनों के लिए अधिक सटीक और अनुकूलित कृत्रिम अंग (Prosthesis) तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस अत्याधुनिक तकनीक से न केवल प्रोस्थेटिक डिवाइसेस की गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि उनकी फिटिंग और आराम स्तर भी बेहतर होगा।

3D प्रिंटिंग के लाभ:

दिव्यांगजनों के लिए अधिक अनुकूलित और व्यक्तिगत प्रोस्थेटिक समाधान।
परंपरागत विधियों की तुलना में तेज़ और अधिक सटीक निर्माण प्रक्रिया।
हल्के, टिकाऊ और आरामदायक कृत्रिम अंगों का निर्माण।
दिव्यांगजनों के जीवन को और अधिक सक्रिय और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम।

यह पहल न केवल तकनीकी नवाचार को दर्शाती है, बल्कि APOC की दिव्यांगजनों के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को भी मजबूत करती है।

अंतर्राष्ट्रीय पी एंड ओ दिवस समारोह – 2024

दिनांक 5 नवंबर 2024 को APOC मुख्यालय में अंतर्राष्ट्रीय पी एंड ओ दिवस का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांगजनों (PwDs) को सहायक उपकरण उपलब्ध कराना तथा उनके प्रति जागरूकता बढ़ाना था। यह आयोजन न केवल P&O क्षेत्र के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है, बल्कि उन पेशेवरों को भी प्रेरित करता है, जो दिव्यांगजनों के जीवन में बदलाव लाने हेतु सतत प्रयासरत हैं।

कार्यक्रम की शुरुआत PwDs के स्वागत से हुई, जिसके पश्चात उन्हें आवश्यक सहायक उपकरण वितरित किए गए। दिव्यांगजनों ने विभिन्न खेलों में भाग लिया और अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम के दौरान चाय-नाश्ते एवं दोपहर के भोजन की व्यवस्था की गई। इसके उपरांत PwDs से फीडबैक प्राप्त किया गयाऔ र कार्यक्रम का समापन सहायक वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा पुरस्कार वितरण के साथ हुआ।

इस अवसर पर लगभग 30 मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल (MTC), 20 एक्टिव फोल्डिंग व्हीलचेयर तथा अन्य सहायक उपकरण वितरित किए गए, जिनकी कुल लागत लगभग 20 लाख रुपये रही। यह आयोजन न केवल सामाजिक उत्तरदायित्व की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा, बल्कि APOC के व्यवसायिक हित में भी सहायक सिद्ध हुआ।

नववर्ष पर APOC मुख्यालय द्वारा मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल एवं श्रवण यंत्र वितरण समारोह

दिनांक 1 जनवरी 2024 को नववर्ष के शुभ अवसर पर APOC मुख्यालय में दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण हेतु एक भव्य वितरण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर 125 लाभार्थियों को मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल (MTC) एवं 25 लाभार्थियों को श्रवण यंत्र (BTE) प्रदान किए गए।

यह आयोजन केवल सहायक उपकरणों के वितरण तक सीमित न रहकर, दिव्यांगजनों के आत्मनिर्भरता के मार्ग को सुदृढ़ करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास भी था। कार्यक्रम कैंप मोड में आयोजित किया गया, जिसमें लाभार्थियों और उनके परिजनों के लिए स्वादिष्ट भोजन, स्नैक्स एवं गर्म चाय की भी विशेष व्यवस्था की गई।

समारोह में वरिष्ठ अधिकारियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराते हुए अपने कर कमलों से लाभार्थियों को सहायक उपकरण वितरित किए। इस पहल के अंतर्गत कुल 65 लाख रुपये मूल्य के उपकरण वितरित किए गए, जो दिव्यांगजनों के जीवन को और अधिक सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने में सहायक सिद्ध होंगे।

हमारी निरंतर सेवा और समर्पण

APOC मुख्यालय इस सफल आयोजन में योगदान देने वाले सभी सहयोगियों, वरिष्ठ अधिकारियों एवं लाभार्थियों का हृदय से आभार व्यक्त करता है। हम आपके सहयोग और विश्वास के साथ, दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों के सशक्तिकरण की दिशा में निरंतर कार्यरत रहेंगे।

APOC मुख्यालय – आपकी सेवा में सदैव तत्पर !

शाबाश

निगम के अधिकारी /कर्मचारी के पुत्र /पुत्रियों के नाम व चित्र जिन्होंने

हाइस्कूल वर्ष 2023 में 90%

से अधिक अंक प्राप्त किए

अनन्या तिवारी, वेन्डी हाइस्कूल, कानपुर

पुत्री श्री नागेन्द्र कुमार तिवारी, प्रेस ऑपरेटर (उत्पादन)

शाबाश

निगम के अधिकारी /कर्मचारी के पुत्र /पुत्रियों के नाम व चित्र जिन्होंने

इण्टरमीडिएट वर्ष 2024 में 90%

से अधिक अंक प्राप्त किए

विशाल चौहान, गुरु नानक माडर्न स्कूल, कल्याणपुर, कानपुर

पुत्र श्री मुन्ना चौहान, सहायक प्रबंधक (अनुरक्षण)

Automatic Powder Coating

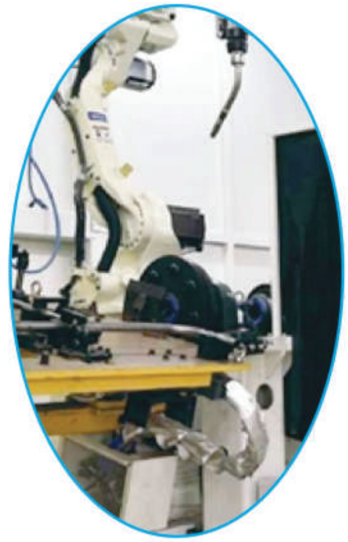

House Robots

Product Display Room

Foot Preparation area at HEPS

Conveyorized Wheelchair

Motorized Tricycle

ARTIFICIAL LIMBS MANUFACTURING CORPORATION OF INDIA

A Govt. of India, "Miniratna-II' CPSU under Department of Empowerment of Persons
with Disabilities (Divyangjan) Ministry of Social Justice & Empowerment
G. T. Road, Naramau, Kanpur - 209217
An ISO 9001:2015 Company

ALIMCO

Restoration of the dignity of man